संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 142
पृष्ठ 8
रविवार
09 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आयुर्वेदिक उपाय बेहद फायदेमंद.

विचार- देश के प्रति समर्पण राष्ट्र के बौद्धिक...

खेल- रोहित को आलोचकों को चुप करना...

दिल्ली में भाजपा का 27 साल का वनवास खत्म

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) को करारी शिकस्त देते हुए 27 साल का वनवास खत्म कर सत्ता में वापसी कर ली है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा चुनाव की शनिवार को हुई मतगणना में भाजपा बड़े बहुमत की ओर बढ़ रही है। सत्तारुढ आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी की हार स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि उन्हें जनता का निर्णय मान्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत विकास और सुशासन की जीत है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी ने कहा है कि दिल्ली में लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है। भारतीय राजनीति में एक नये प्रयोग के साथ लगभग 12 साल पहले सरकार में आयी आप के नेता श्री केजरीवाल नयी दिल्ली विधानसभा सीट से और उनके नजदीकी मनीष सिसोसिया जंगपुरा सीट से चुनाव हार गये हैं।

दिल्ली के राजनीतिक क्षितिज पर आप के प्रादुर्भाव से पहले करीब 15 साल तक सत्ता में रही कांगेस लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में अपना खाता फिर नहीं खोल सकी है।

भाजपा ने दिल्ली में 2024 के लोकसभा चुनाव का अपना प्रदर्शन जारी रखते हुए राष्ट्रीय राजधानी के सभी इलाकों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वोट हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत बढ़ाया है। भाजपा ने दिल्ली के नतीजों को " मोदी की गारंटी पर दिल्ली की जनता का भरोसा" बताया है।

कांग्रेस का हराकर लगभग 12 साल पहले सत्ता में आयी आप 20 से 25 सीटों पर सिमटती नजर आयी है। भाजपा अंतिम बार दिल्ली में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज के नेतृत्व में सत्ता थी। वर्ष 1998 के चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से लंबे समय के लिए बाहर कर दिया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में दिल्ली में लगतार तीन कार्यकाल तक सरकार चलायी। वर्ष दिसंबर 2013 में आप ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में सरकार का गठन किया। रुझानों के अनुसार विधानसभा चुनावों में भाजपा को 45 से 50 सीटें मिलने की संभावना है। भाजपा ने मतगणना की आरंभ से ही बढ़त बना ली थी, लेकिन सीटों पर आप और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर को देखते हुए हार जीत का अंतर बहुत रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों ने आप की हार में कांग्रेस का भी कुछ हाथ देखना शुरु कर दिया है। पर इस बारे में कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, ''आम आदमी पार्टी को जिताना कांग्रेस की जिम्मेदारी नहीं है।'' जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तंज किया, "और लड़े आपस में।'' भाजपा के दिल्ली प्रदेश कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने होली से पहले ही होली का उत्सव मनाना शुरु कर दिया है जबकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के कार्यालयों पर नेता और कार्यकर्ता नदारद रहे।

दिल्ली में विकास, विश्वास का नया युग शुरू -अमित शाह

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में आज भाजपा की भारी बहुमत से जीत पर पार्टी एवं दिल्ली की जनता को बधाई दी और कहा यह दिल्ली में विकास एवं विश्वास के एक नए युग का आरंभ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली अब एक आदर्श राजधानी बनेगी। श्री शाह ने एक्स पर 'दिल्ली के दिल में मोदी' के शीर्षक से अपनी पोस्ट में लिखा, "दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप–दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा।"

उन्होंने कहा, "यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है... यह अहंकार और अराजकता की हार है। यह 'मोदी की गारंटी' और मोदी जी के विकास के विजन पर दिल्ली वासियों के विश्वास की जीत है। इस प्रचंड जनादेश के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार।" श्री शाह ने कहा, "मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा अपने सभी वादे पूरे कर दिल्ली को विश्व की नंबर 1 राजधानी बनाने के लिए संकल्पित है। दिल्ली वासियों ने बता दिया कि जनता को बार–बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है।"

गृह मंत्री ने कहा, "दिल्ली में मिली इस भव्य जीत के लिए अपना दिन–रात एक करने वाले दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी और प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा जी को हार्दिक बधाई देता हूँ।

दिल्ली की जनता के लिए संघर्ष जारी रहेगा- आतिशी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली की जनता का जनादेश स्वीकार करते हुए कहा है कि वह अवश्य जीत गई हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी का संघर्ष दिल्ली की जनता के लिए जारी रहेगा। सुश्री आतिशी ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, "कालकाजी विधानसभा की जनता का धन्यवाद करना चाहती हूं कि उन्होंने मेरे ऊपर भरोसा जताया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई देना चाहती हूं, जो बाहुबल, गुंडागर्दी, मार पिटाई का सामना करते हुए जमीनी मेहनत कर जनता तक पहुंचे।" उन्होंने कहा, "दिल्ली की जनता का जनादेश हमें स्वीकार है। मैं अपनी सीट जीती हूं लेकिन यह जीत का समय नहीं है। यह जंग जारी रहेगी। भाजपा की तानाशाही के खिलाफ जंग जारी रहेगी।"

रूसी क्रास्नोडार क्षेत्र पर ड्रोन हमले में पांच इमारतें क्षतिग्रस्त

मॉस्को। रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में पांच इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। गवर्नर वेनामिन कोंद्रतयेव ने यह जानकारी दी। श्री कोंद्रायेव ने टेलीग्राम पर लिखा, आपराधिक कीव शासन ने एक और ड्रोन हमला किया। लक्ष्य स्लावयांस्की जिले में नागरिक सुविधाएं थीं। इस हमले से जब ड्रोन का मलबा गिरा, तो पांच इमारतों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

केजरीवाल, सिसोदिया चुनाव हारे

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज विधानसभा चुनाव हार गये हैं। नयी दिल्ली विधानसभा सीट से श्री केजरीवाल 4089 मतों से भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के परवेश वर्मा से चुनाव हार गये। श्री वर्मा को 30088 वोट मिले जबकि श्री केजरीवाल को 25999 वोट पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस के संदीप दीक्षित को 4568 मत मिले हैं। श्री सिसोदिया जंगपुरा से 675 वोटों से भाजपा के तरविन्द्र सिंह मारवाह से हार गये। श्री मारवाह को 38859 वोट मिले जबकि श्री सिसोदिया 38184 पर सिमट गये। कांग्रेस के फरहाद सूरी को 7350 वोट मिले हैं। ग्रेटर कैलाश सीट से श्री सौरभ भारद्वाज अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा से 3188 वोटों से चुनाव हार गये हैं। भाजपा की शिखा राय को 49594 वोट पर संतोष करना पड़ा जबकि श्री भारद्वाज को 46406 वोट मिले है। ग्रेटर कैलाश में कांग्रेस के गर्वित सिंघवी को 6711 वोट मिले।

केजरीवाल को हरा जाइंट किलर बने प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। कोई खिलाड़ी जो अप्रत्याशित रूप से एक अधिक मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हरा देता है तो उसे जायंट किलर कहा जाता है। राजनीति में भी ऐसे ही नाम हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सुब्रत पाठक कन्नौज में डिंपल यादव को हराया। स्मृति ईरानी जिन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में हराया। केपी यादव ने गुणा में ज्योतिरादित्य सिंधिया को मात दी थी। दिल्ली के चुनाव में बीजेपी की प्रचंज जीत की चर्चा तो चारो तरफ है ही, लेकिन इस जीत के साथ ही एक हार की चर्चा भी सबसे ज्यादा हो रही है। वो हार है दिल्ली के पूर्व सीएम आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल की। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर बीजेपी नेता प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने आम आदमी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हरा दिया है। प्रवेश वर्मा के अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली विधानसभा सीट पर हराने के बाद उन्हें एक बड़े नेता के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को एक जायंट किलर के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा के पूर्व सदस्य वर्मा ने आप समर्थकों को चौंका दिया क्योंकि केजरीवाल पार्टी का मुख्य चेहरा थे। वर्मा ने केजरीवाल को एक कठिन मुकाबले में 3,000 से अधिक वोटों से धूल चटा दी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेशवर्मा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में अपनी "जीत" का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की जनता को दिया।

मोदी पर विश्वास से जीती भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव -राजनाथ

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए इस विजय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता के विश्वास का परिणाम बताया है। श्री सिंह ने ट्वीट किया "दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जबरदस्त विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की नीतियों के प्रति विश्वास की जीत है। इस देश की जनता का भरोसा मोदीजी की विश्वसनीयता और भाजपा की सुशासन और विकास की राजनीति में है।" उन्होंने कहा "इस शानदार जीत के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। लगभग 27 साल बाद दिल्ली की जनता ने भाजपा को अपना विश्वास और आशीर्वाद दिया है।

जनता का निर्णय सिर माथे- केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप)के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि वह जनता का निर्णय विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं और उनका फैसला सिर माथे है। श्री केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक वीडियो जारी करके कहा," आज दिल्ली विधानसभा के नतीजे आये हैं। जनता ने जो निर्णय दिया उसे मैं विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि जिस आशा के साथ लोगों ने भाजपा को बहुमत दिया है वह उन सभी उम्मीदों और आशाओं पर खरा उतरेगी।" उन्होंने कहा," हमें पिछले 10 साल में जनता ने जो मौका दिया उसमें बहुत सारे काम किये। शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी और बिजली के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में लोगों को राहत पहंचाने का काम किया। जनता ने जो हमें निर्णय दिया उसमें हम न केवल रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभायेंगे बल्कि हम लोगों के सुख दुख में काम आयेंगे।" 'आप' नेता ने कहा," हम राजनीति में सत्ता के लिए नहीं आये थे। हम राजनीति को जरिया मानते हैं जनता की सेवा करने का।'आप' के कार्यकर्ताओं ने बहुत शानदार चुनाव लड़ा इसके लिए सभी को बधाई देता हूं।"

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट से चंद्रभानु पासवान ने दर्ज की धमाकेदार जीत

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के 273–मिल्कीपुर विधानसभा सुरक्षित सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चन्द्रभानु पासवान ने करीब 61639 वोटों से जीत हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार चन्द्रभानु पासवान ने 273– मिल्कीपुर विधानसभा सुरक्षित सीट से करीब 145893 वोट प्राप्त किये हैं जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने 84254 वोट हासिल किया है। इनमें आजाद समाज पार्टी 5439 वोट तथा अन्य को 6755 वोट मिले हैं। कुल टोटल वोट 242341 प्राप्त हुए हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी कार्यालय में जश्न मनाते हुए भाजपा के नेताओं ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत हुई है। अब मिल्कीपुर विधानसभा में विकास की गंगा बहेगी, जिसको कोई रोक नहीं सकता है। कार्यालय में ढोल–नगाड़े बजने शुरू हो गये हैं और होली जैसा माहौल दिखायी पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पूर्व सांसद लल्लू सिंह सहित कई नेता कार्यालय में जश्न मनाने में व्यस्त हैं। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत के साथ–साथ अब मिल्कीपुर विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विकास की गंगा बहा देंगे। वहां की सडकों सहित सभी समस्यायें दूर हो जायेंगी।

दिल्ली में झूठ और लूट की सियासत खत्म, बीजेपी की जीत पर आया सीएम योगी का रिएक्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को दिया और कहा कि यह जीत पीएम मोदी के सफल नेतृत्व पर दिल्ली के लोगों के विश्वास की मुहर है। एक पोस्ट में सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली विधान सभा चुनाव–2025 में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर समर्पित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई! यह जीत आदरणीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के सफल नेतृत्व और सभी के लाभ, जन कल्याण और समग्र उत्थान के लिए समर्पित उनकी विकास नीतियों पर दिल्ली के लोगों के विश्वास की मोहर है। सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई एवं दिल्ली की सुशासन प्रिय, देवतुल्य जनता को शुभकामनाएँ।

दोपहर करीब 1 बजे चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी ने 47 निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त बनाते हुए 70 निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। जहां आप को 22 सीटों पर आगे दिखाया गया, वहीं कांग्रेस एक भी जीत हासिल करने में असफल रही। राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 36 है। स्वराज इंडिया पार्टी के सह–संस्थापक और चुनाव विशेषज्ञ योगेन्द्र यादव ने शनिवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार न केवल पार्टी के लिए बल्कि पूरे विपक्ष के लिए झटका है और यह इसके भविष्य पर सवाल उठाती है कि अब यह केवल पंजाब तक ही सीमित रहेगी। आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक सदस्यों में से एक, जिन्हें 2015 में निष्कासित कर दिया गया था, यादव ने कहा कि यह उन सभी लोगों के लिए भी एक झटका है जिन्होंने देश में राजनीति के वैकल्पिक स्वरूप का सपना देखा था। नवीनतम रुझानों के अनुसार, भाजपा 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, और देश में अपने भगवा पदचिह्न का विस्तार करने के लिए एक और बड़ी जीत में आप को राष्ट्रीय राजधानी से बाहर कर दिया है। यह न केवल आम आदमी पार्टी के लिए बल्कि उन सभी के लिए झटका है जिन्होंने 10–12 साल पहले इस देश में वैकल्पिक राजनीति का सपना देखा था। यह आप को समर्थन देने वाली सभी पार्टियों और देश के समूचे विपक्ष के लिए झटका है। दिल्ली विधान सभा चुनाव–2025 मेंभारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय की समर्पित पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई!

तेज हवाओं से बढ़ी ठिठुरन धूप भी बेअसर, तापमान 5 डिग्री गिरा

प्रयागराज। प्रयागराज में मौसम में हुए बदलाव व सतही हवाएं चलने से दिन और रात के तापमान में निरंतर गिरावट हो रही है। पिछले पांच दिनों की अपेक्षा शुक्रवार को अधिकतम तापमान में 5.1 डिग्री सेल्सियस तापमान लुढ़क गया। दो फरवरी

को अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस था जो शुक्रवार को 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पांच फरवरी को न्यूनतम तापमान जो 15.4 डिग्री सेल्सियस था और शुक्रवार को कम होकर 9.6 पहुंच गया। यानी दो दिन में 5.8 डिग्री सेल्सियस तापमान कम हो गया। इससे पहले न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस तापमान 29 जनवरी को दर्ज किया गया था।

दिन और रात के तापमान में गिरावट से ठंड का प्रभाव एक बार फिर बढ़ गया है। तेज हवाएं चलने से तेज धूप भी बेअसर रही, जिससे ठिठुरन बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार दिन में मौसम साफ रहेगा लेकिन सतही हवाएं चलने से ठंड का प्रभाव बना रहेगा। मौसम के बदलाव का असर से शहर से संगम तक बना रहा। तेज हवाओं के चलते बच्चों और बजुर्गों का अधिक परेशानी हुई। मेले में विभिन्न सेक्टरों में लगे फ्लेक्स बोर्ड गिर गए। मौसम विभाग का अनुमान था कि आज यानि शनिवार को भी तेज हवाएं चलेंगी। शनिवार सुबह से ही तेज हवाओं के कारण महाकुंभ क्षेत्र में ठंड का अहसास हो रहा है। वहीं, आज का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। गुरुवार से चल रहीं सर्द हवाओं ने ठिठुर बढ़ा दी है। सुबह और शाम की सर्दी बढ़ गई है। शनिवार को भी यह दौर चलेगा। रविवार से ठंडी हवाओं से निजात मिल सकती है। तेज हवाओं की रफ्तार छह से 10 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच है। इससे तापमान पर ब्रेक लग गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 13 फरवरी तक पारा फिर बढ़ सकता है।

संतों ने भस्मी स्नान कर दिगंबर वेश किया धारण

सनातन धर्म की ध्वजा उठाने वाले अखाड़े प्रयागराज से रवाना हुए। इसके पहले सभी अखाड़ों में संत दिगंबर रूप में दिखे। यह दृश्य ठीक वैसा था, जैसा छावनी प्रवेश के दिन था। फर्क था तो बस इतना कि उस दिन हजारों संत ऐसे दिखे और शुक्रवार को पंच परमेश्वर ही ऐसे थे। धर्म ध्वजा की रस्सी ढीली करने से पहले सभी ने स्नान कर शरीर में भस्मी लपेटी। इसके बाद लंगोट धारण किया। लंगोटी इसलिए कि अब नागा साधु संत महाकुम्भ के बाद एक बार फिर संसार में शामिल होंगे।

लोकाचार के कारण वो हमेशा नागा वेश में नहीं रह सकते, यह स्वरूप तो केवल कुम्भ और महाकुम्भके दौरान ही दिखाई देता है। संत भगवान की पूजा के बाद अखाड़े की धर्म ध्वजा के पास आए और पूरब पश्चिम, उत्तर–दक्षिण को आधार मानकर बांधी गई धर्म ध्वजा की रस्सी को ढीला कर दिया, जो इस बात का प्रतीक थी कि प्रयागराज का महाकुम्भ 2025 पूरा हुआ।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने बताया कि यहां से भगवान को अपने–अपने शहर के मंदिरों के विग्रह में रखा गया। जैसे निरंजनी अखाड़े का दारागंज में रखा गया। इसके बाद संत वाराणसी के लिए निकले और वहां होली तक रहेंगे।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

आयुष मंत्रालय की ओर से यूनानी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में आयोजित यूनानी डे कार्यक्रम के तहत शनिवार को खेल प्रतियगिताएं हुईं। प्रतिभागियों ने कैरम, टग ऑफ वॉर, थ्री लेग रेस, टेबल टेनिस, बुल्स आई डार्ट, बैडमिंटन और खो–खो आदि में अपनी प्रतिभा दिखाई। प्राचार्य डॉ॰ वसीम अहमद ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ बनाती हैं। संयोजन खेल समिति के डॉ॰ खुर्शीद आलम, डॉ॰ फरजाना खातून, डॉ॰ आफरीन सिद्दीकी, डॉ निहाल अहमद, डॉ॰ शीबिया सुल्ताना, डॉ॰ नदीम अहमद ने किया।

धरती पर आवागमन से मोक्ष प्राप्ति असंभवः नरसिंह दास

महाकुम्भ नगर के सेक्टर–18 में स्थित सदानंद तत्वज्ञान परिषद के कार्यालय में शनिवार को सत्संग आयोजित किया गया। इस मौके पर नरसिंह दास ने कहा कि जीव को शरीर त्यागने से चार गतियां होती हैं। नरक में कई यातनाएं झेलनी पड़ती हैं। स्वर्ग में अनेक सुख भोगना पड़ता है। धरती पर आवगमन बना रहने से जीव को मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती है। मनुष्य को भगवान के अवसर को खोज करके शरणागत हो जाना चाहिए। इस असवर पर संगीतमय भजन मानव जन्म अनमोल रे, अब जो मिला है फिर न मिलेगा प्रस्तुति कर भावविभोर कर दिया।

महाकुंभ में कल्पवासियों का शय्या दान जारी, एसी, टीवी, फ्रिज और गहने किए भेंट

प्रयागराज। महाकुंभ में संगम की रेती से अखाड़ों के साथ अब कल्पवासियों के भी विदा होने का समय आ गया है। पौष पूर्णिमा से शुरू हुआ कल्पवास, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा पर समाप्त हो जाएगा। कुछ कल्पवासी पूर्णिमा को प्रस्थान करेंगे तो कुछ पूर्णिमा के तीसरे दिन त्रिजटा स्नान करके विदा लेंगे। उससे पूर्व मेला के विभिन्न सेक्टरों में कल्पवासी शिविर शय्या दान से गुलजार हैं। रविवार को द्वादशी तिथि पर ज्यादा संख्या में कल्पवासी शय्यादान करेंगे। तीर्थपुरोहित के जिस शिविर में कोई कल्पवासी शय्यादान करता है तो उसके मुख्य द्वार को बहुरंगी गुब्बारों व फूलों से सजाया जा रहा है। शय्यादान करने वाले कल्पवासियों के परिवार, रिश्तेदार व दोस्त व तीर्थपुरोहितों के परिजन भी मौजूद रहते हैं। शुक्रवार को सेक्टर–19 स्थित मां सरस्वती सेवा समिति के शिविर में हेता पट्टी के रहने वाले कल्पवासी वेदमणि तिवारी और इंद्रा तिवारी ने शय्या दान किया। उन्हें कल्पवास करते हुए 11 साल पूरा हो गया था लेकिन 144 साल बाद महाकुम्भ का विशेष योग होने के कारण शय्या दान किया। उन्होंने तीर्थपुरोहित भैया पांडेय को तीन लाख रुपये से अधिक की सामग्री भेंट की।

महाकुंभ में महाजामः 10 से 15 किलोमीटर पहले से रेंग रहे वाहन

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को भीषण जाम का सामना करना पड़ रहा है। संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले से ही वाहन रेंग रहे हैं। पास धारक वाहनों को भी प्रवेश नहीं मिल रहा है। महामंडलेश्वर से लेकर न्यायाधीश तक के वाहन कई घंटे से जाम में फंसे हैं। फाफामऊ में भीड़ और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई। भीड़ ने पुलिस की बैरिकेडिंग को गिरा दिया और वाहन लेकर गुजर गए।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को भीषण जाम का सामना करना पड़ रहा है। संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले से ही वाहन रेंग रहे हैं। पास धारक वाहनों को भी प्रवेश नहीं मिल रहा है। आलम यह है एंबुलेंस और मजिस्ट्रेट से लेकर जजों के वाहन भी जाम में फंस गए हैं। इसको लेकर फाफामऊ, नैनी और इंडियन प्रेस चौराहा सहित कई जगहों पर यात्रियों की पुलिसकर्मियों से तीखी नोकझोंक हुई। फाफामऊ में एक महामंडलेश्वर अपने कई वाहनों के साथ जाम में फंसे थे।

घंटों से वाहन के आगे न बढ़ने पर उनके साथ चल रहे संतों की पुलिस से कहासुनी हो गई। संतों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को जबरन हटा दिया। इसी तरह शहर के लाउदर रोड, अमरनाथ झा मार्ग, इंडियन प्रेस चौराहा, बालसन चौराहा, एसआरएन मोड़, अंदावां, झूंसी, नैनी मिर्जापुर रोड और रीवा रोड पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। आठ से दस घंटे जाम झेलने के बाद श्रद्धालु संगम पहुंच रहे हैं।

लोग पुलिस और प्रशासन की ट्रैफिक व्यवस्था को कोसते नजर आ रहे हैं। नैनी में तकरीबन पांच किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। इसी तरह फाफामऊ, नैनी और अंदावा में भी कई किलोमीटर लंबे जाम में लोग फंसे हैं। बड़े वाहनों की बात तो दूर साइकिल और बाइक सवार भी जाम में फंसकर बेहाल हैं। पुलिस प्रशासन के प्रति लोगों में गहरा आक्रोश रहा। अंदावां में जाम में फंसे गाजीपुर से आए सुरेश चंद्र त्रिवेदी ने बताया कि पुलिस यदि हर सड़क से बैरिकेडिंड हटा दे तो जाम खुद ब खुद समाप्त हो जाएगा।

हर मार्ग पर पुलिस ने अवरोध लगा दिया है, जहां कोई जरूरत नहीं है वहां पर भी बैरिकेडिंग लगा दी गई है। इसी तरह नए यमुना ब्रिज पर जाम में फंसे सीवान मध्य प्रदेश से आए रघुनाथ प्रसाद चौबे ने बताया कि वह सुबह छह बजे नैनी जंक्शन पर ट्रेन से उतरे हैं और दोपहर दो बजे तक संगम नहीं पहुंच सके हैं। फाफामऊ में जाम में फंसे लोगों ने पुलिस की बैरिकेडिंग गिराकर वाहन पास कर लिया। इसको लेकर पुलिस कर्मियों से उनकी तीखी नोकझोंक भी हुई। कई घंटे तक जाम में फंसने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। जाम में कई घंटे तक फंसे श्रद्धालुओं का गुस्सा पुलिसकर्मियों पर फूट पड़ा। कई जगह बैरिकेडिंग को भीड़ ने जबरन हटा दिया।

महामंडलेश्वर से लेकर न्यायाधीश के वाहन फंसे

नारी शक्ति को सशक्त करने की नहीं बल्कि महिलाओं को अपनी शक्ति को पहचानने की जरूरत है

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। अरैल त्रिवेणी पुष्प स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम में शनिवार को आयोजित तीन दिवसीय महिला शक्ति शिखर सम्मेलन में महिलाओं को अपनी शक्ति को पहचानने पर जोर दिया गया। इस रिट्रीट का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, समानता और समृद्धि पर चर्चा करना है। नारी शक्ति, समानता और समृद्धि के सिद्धांतों के अंतर्गत नारियों के लिए शक्ति, समानता और समृद्धि के पहलुओं को उजागर करना है। देश–विदेश की तमाम हस्तियों ने सम्मेलन में शिरकत किया।

शिखर सम्मेलन का उद्घाटन नारी शक्ति' विश्वास, संगम और सह–निर्माण के साथ जीवन और समाज को बदलना' विषय के साथ हुआ। शिखर सम्मेलन में हीलिंग सर्कल मेडिटेशन, शांति और एकता पर संवाद तथा नारियों की दिव्य शक्ति जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें योग,

ध्यान, कीर्तन, सत्संग और आरती जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी किए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से भागीदारों को आंतरिक शांति और साधना का दिव्य अनुभव हो रहा है।

जी–100 महाकुंभ महिला शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, जी 100 की संस्थापक, डॉ. हरबीन अरोड़ा राय, राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. विनय राय, मानसी महाजन, योगाचार्य इरा चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि महाकुंभ मेले में आना ही सबसे बड़ा सौभाग्य है। इस अवसर पर शक्ति की चर्चा करना वास्तव में सर्वश्रेष्ठ है। हम सभी मां गंगा, यमुना और सरस्वती की गोद में बैठे हैं। हमने संगम के माध्यम से स्वयं में स्नान कियाय हमने इन दिव्य नदियों की शक्ति में स्नान किया।

साध्वी ने कहा कि लोग नारी सशक्तिकरण की बात करते हैं। हम यहां पर नारी सशक्तिकरण के लिए एकत्र नहीं हुए हैं। नारियां अपने आप में सशक्त हैं, अगर हम देखें तो सृष्टि और प्रकृति शक्ति के शब्द मातृत्व की शक्ति का परिचायक हैं, इसलिये नारी शक्ति को सशक्त करने की नहीं बल्कि नारियों को अपनी शक्ति को पहचानने की जरूरत है। नारियों को स्वयं की शक्ति को पहचानना होगा। नारियों को अपने आप को साबित करने के लिए किसी के पीछे भागने की जरूरत नहीं है, बल्कि स्वयं कोय स्वयं की शक्ति को पहचानने की जरूरत है।

झारखंड के पूर्व सीएम अर्जुन मूंडा ने कहा कि वर्तमान समय में जीवन का स्पंदन नष्ट हो रहा है। जीवन का मूल नष्ट हो रहा है। हमें उस ऊर्जा को बचा कर रखना है जो हमारे अस्तित्व का आधार है। भारतीय संस्कृति व ज्ञान ने हमें जीवन के स्पंदन को नष्ट करने की शिक्षा नहीं दी है, इसलिए हमें उसका संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि धर्म, कर्मकांड और पूजा में ही नहीं है बल्कि प्रकृति से जो भी हमें प्राप्त होता है, प्रकृति के साथ जो अपने अस्तित्व से खड़ा है, जिसका ब्रह्मांड में अस्तित्व है। वह सब धर्म है। अपने दायित्व को पूरा करने का संदेश व जीवन का लक्ष्य महाकुंभ हमें प्रदान करता है।

आदिवासी का मूल है प्रकृति के साथ रहना। वे कलकल करते जल, पक्षियों के साथ जहां पर पत्थर व पहाड़ भी बोलते हैं वहां रहते हैं। शहर में रहने वाले लोगों के पास संपत्ति हो सकती है लेकिन आदिवासियों के पास संपदा है, शक्ति है, ऊर्जा है। संपत्ति वाले विकसित हो सकते हैं लेकिन जिनके पास संपदा है वह बैकवर्ड नहीं है। नारी, सशक्त भारत की सबसे बड़ी विशेषता है इसलिए हम भारत को भारत माता कहते हैं। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि महिलाओं को सशक्तिकरण की जरूरत नहीं है, महिलाएं स्वयं में सशक्त हैं बस जरूरत है तो उस शक्ति को पहचानने की जो उनके अंदर ही समाहित है। सभी ने संकल्प लिया कि हम समानता, समृद्धि और शक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे, ताकि समाज में नारियों को हर क्षेत्र में समान अवसर मिल सके।

''चांदना' के बाद अखाड़ों में नई सरकार ने संभाला कामकाज, चुने गए आठ श्रीमहंत समेत आठ उप महंत

प्रयागराज। शुक्ल पक्ष की नवमी को शैव अखाड़ों में नई सरकार ने कामकाज संभाल लिया। अष्ट कौशल में चुने गए श्रीमहंतों को श्श्चांदनाश्श (तिलक–चंदन से अभिषेक) करके अखाड़े का कामकाज सौंपा गया। अगले छह साल तक यही अष्ट कौशल अखाड़े का कामकाज संभालेगा। नए अष्ट कौशल के साकार होते ही छावनी ईष्ट देव एवं धर्म के जयकारों से गूंज उठी। ईष्ट देव का पूजन–अर्चन हुआ। नव नियुक्त अष्ट कौशल के श्रीमहंतों ने धर्मध्वजा की तनियां (रस्सी) ढीली करके अखाड़े की कुंभ नगरी से रवानगी का एलान किया।

अखाड़ों का कामकाज अष्ट कौशल के माध्यम से संचालित होता है। इसमें आठ श्रीमहंत समेत आठ उप महंत होते हैं। महाकुंभ आरंभ होने के साथ ही निरंजनी, महानिर्वाणी एवं जूना अखाड़े के अष्ट कौशल भंग कर दिए गए थे। इनकी जगह अखाड़े का कामकाज एक कमेटी संचालित कर रही थी। परंपरा के मुताबिक तीसरे अमृत के बाद नए अष्ट कौशल में श्रीमहंत चुने जाते हैं। नवमी को नया अष्ट कौशल गठित हुआ।

इसमें अखाड़े की सभी मढिघ्यों को प्रतिनिधित्व दिया गया। शुक्रवार सुबह ईष्ट देव के पूजन–अर्चन के बाद धर्मध्वजा के नीचे पुकार के साथ प्रक्रिया आंरभ हुई। महानिर्वाणी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत यमुना पुरी के मुताबिक नए अष्ट कौशल में श्रीमहंत रविंद्र पुरी, श्रीमहंत रमेश गिरि, वंशीपुरी, विनोद गिरि, मृत्युंजय भारती, मनोज गिरि, प्रेम गिरि समेत आठ उप महंत दिगंबर शिवपुरी, रवि गिरि, विश्वनाथ गिरि, रमाशंकर गिरि, मनसुख गिरि, ब्रह्मनारायण पपुरी, उमाशंकर गिरि शामिल किए गए।

इनके चुने जाने के बाद संतों ने फूल–माला पहनाकर अभिनंदन किया। वरिष्ठ संतों की मौजूदगी में गुरू कुटिया के समीप चांदना (चंदन तिलक करना) करने उनको अष्ट कौशल की पदवी पर विराजमान कराया। नए अष्टकौशल महंतों की अगुवाई में गठित यह कार्यकारिणी काशी से अब जिम्मेदारी संभालेगी। नई सरकार का कार्यकाल अगले छह साल का रहेगा।

नए अष्टकौशल के गठन के साथ ही महानिर्वाणी एवं निरंजनी अखाड़े ने विधि–विधान से धर्म भालों का पूजन किया। इसके बाद यह अखाड़े के दारागंज स्थित मुख्यालय भिजवाए गए। निरंजनी अखाड़े में परंपरा के मुताबिक यह देव भाल नागा संन्यासी अपने कांधों पर लेकर निकले। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने भी नागा वेश में पूरे शरीर पर भस्मी रामाई। इसके बाद एक देव भाल लेकर वह भी चले। महानिर्वाणी अखाड़े ने भी अपने देव भाल पूजन–अर्चन करके मुख्यालय में रखवाए। अब ईष्ट देव के साथ अखाड़े काशी जाएंगे।

शैव अखाड़े में सिर्फ जूना अखाड़े में ही अष्ट कौशल समेत सचिव का चुनाव काशी में कराया जाएगा। जूना पदाधिकारियों का कहना है कि आचार्य पीठाधीश्वर अवधेशानंद के वहां पहुंचने के बाद यह प्रक्रिया आरंभ होगी। बता दें, जहां अन्य शैव अखाड़ों में अष्ट कौशल का कार्यकाल छह साल के लिए होता है वहीं, जूना अखाड़े के अष्ट कौशल का कार्यकाल तीन साल के लिए ही होता है। जूना अखाड़े में हर तीन साल में अष्ट कौशल के महंत बदल दिए जाते हैं।

श्रीपंचाग्नि अखाड़ा में भी नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें अध्यक्ष गुजरात के श्रीमहंत मुक्तानंद महाराज एवं मऊरानीपुर झांसी के सोमेश्वर ब्रह्मचारी को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया। अग्नि अखाड़ा शैव अखाड़ों में इकलौता अखाड़ा है जिसमें ब्रह्मचारियों को दीक्षा दी जाती है। इस अखाड़े के साधु एवं संत ही अखाड़ों के पुरोहित्व कर्म करते है। इस कुंभ के दौरान करीब डेढ़ सौ ब्रह्मचारियों को अखाड़े में दीक्षा दी गई।

महाकुंभ में हर तीसरे दिन गूंज रही किलकारी, नार्मल डिलीवरी से पैदा हुए बच्चे

प्रयागराज। महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में कई ऐसे भी श्रद्धालु हैं, जिसकी गोद मां गंगा ने भर दी। स्नान–दान के साथ संतान के रूप में मां गंगा का मिला प्रसाद उनके लिए यादगार बन गया। वहीं पावन त्रिवेणी के तट पर जन्म लेकर एक ऐसा नाम मिल गया जिससे जीवन धन्य हो गया। महाकुंभ में जिन बच्चों ने जन्म लिया उन्हें और उनके परिजनों को भी आभास नहीं था कि महाकुंभ में इतनी बड़ी सौगात मिलेगी। यह संभव हुआ सेक्टर दो में स्थित 100 बेड के अत्याधुनिक केंद्रीय अस्पताल के माध्यम से जहां 11 बच्चों का अब तक जन्म हो चुका हैं। वहीं मेला के कर्ण अस्पताल में एक बच्चे का जन्म हुआ। 30 दिसंबर से लेकर छह फरवरी तक 12 बच्चों की किलकारी गूंजी है। इस तरह देखा जाए तो प्रत्येक 78 घंटे में एक बच्चे का जन्म महाकुम्भ के अस्पताल में हुआ।

महाकुंभ में जन्म लेने वाले बच्चों का नाम डॉक्टरों ने परिजनों की राय पर विशेष रूप से रखा। इसमें पहला बच्चा जब 30 दिसंबर को कौशाम्बी की सुमन के पैदा हुआ तो उसका नाम कुंभ रखा गया। वहीं बांदा की शिव कुमारी के गंगा का जन्म हुआ। उसके बाद संगम, यमुना, सरस्वती, बजरंगी, शंभू, अमृत, कर्ण, वसंत और वसंती का जन्म हुआ। ग्वालियर की ज्योति शर्मा की बेटी का नाम सरस्वती और रक्षा के बेटे का नाम अमृत रखा गया। इस क्रम में गुरुवार की रात तीन बजे के लगभग बाराबंकी के जहांगीराबाद की रहने वाली कंचन ने एक बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम शिवशंकर रखा गया। इसमें 30–31 दिसंबर और दो व तीन फरवरी की रात में एक–एक बच्चे जन्म लिए। महाकुंभ में जन्म लेने वाले बच्चों में आठ ऐसे परिवार हैं जो किसी काम के सिलसिले में महाकुंभ में आए हुए थे। वहीं चार बच्चे ऐसे हैं जिनके माता–पिता स्नान के लिए महाकुंभ में आए थे दारागंज की एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर शहर के निजी अस्पताल में ले गए लेकिन वहां से केंद्रीय अस्पताल में रेफर कर दिया गया। महाकुंभ में पैदा हुए सभी बच्चों की नार्मल डिलेवरी की गयी। प्रसव के बाद जच्चा–बच्चा को डफरिन में रेफर कर दिया गया।

सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्नी संग संगम में लगाई आस्था की डुबकी, फोटो सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्नी के साथ संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने महाकुंभ को दिव्य–भव्य बताते हुए इसे श्एकता का महाकुंभश बताया है।

विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्नी के साथ संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने महाकुंभ को दिव्य–भव्य बताते हुए इसे श्एकता का महाकुंभश बताया है। सांसद अनुराग ठाकुर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर स्नान की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, षगंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती। नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।ष

उन्होंने इस अवसर पर मां गंगा, यमुना और सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम पर पूजा–अर्चना की और सर्वकल्याण की कामना की। अनुराग ठाकुर ने अपनी पोस्ट में कहा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती के शुभाशीष से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो। उन्होंने महाकुंभ को श्एकता का महाकुंभश बताया और इसे भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक कहा।

महाकुंभ में अब तक 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से साधु–संत, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन आस्था के साथ भाग ले रहे हैं। प्रयागराज का यह महाकुंभ सनातन संस्कृति की अनंत धारा को विश्व पटल पर गौरवान्वित कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

कढ़ी–पकौड़ी की रस्म के बाद महाकुंभ से अखाड़े विदा, संतों की भर आई आंखें

प्रयागराम। महाकुम्भ 2025 की आभा रहे नागा संन्यासी और अखाड़े के साधु–संत मेले से रवाना हो गए। परंपरागत रूप से तीन अमृत (शाही) स्नान के बाद अखाड़े यहां नहीं रहते हैं। माघ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को रवानगी से पहले साधु–संतों ने सभी विधानों को पूरा किया। सबसे पहले धर्म ध्वजा के नीचे स्थापित इष्ट देव को अंदर कक्ष में ले गए। जहां पर उनके सामने पूर्णाहुति हवन किया। पूर्णाहुति हवन के दौरान अष्ट कौशल के संत अपने दिगंबर वेश में आए और फिर अंदर सुरक्षित रखे गए सूर्य प्रकाश (भाले) को लिया और धर्म ध्वजा के नीचे आकर रस्सी ढीली कर दी गई। फिर पैदल ही सूर्य प्रकाश को अपने अखाड़ों के स्थायी कार्यालय लेकर गए। जिसके बाद छावनी में आकर स्नान किया, वस्त्र धारण कर कढ़ी–पकौड़ी की रस्म को पूरा कर संत प्रयागराज से रवाना हो गए। निरंजनी, आनंद, जूना, आवाहन, महानिर्वाणी और अटल अखाड़ों में एक सा ही दृश्य दिखाई दिया। उधर उदासीन और निर्मल अखाड़ों में भी परंपरागत रूप से इष्ट देव का पूजन कर संतों ने धर्म ध्वजा उतारी और सामान अपने शहर स्थित कार्यालय भेज दिया। वहीं अग्नि अखाड़ा माघी पूर्णिमा के स्नान के बाद 13–14 फरवरी को मेले से प्रस्थान करेगा।

भगदड़ में लापता लोगों की जानकारी को नंबर जारी, जानें टोल फ्री और मोबाइल नंबर

प्रयागराज। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के अवसर पर मची भगदड़ में घायल और लापता लोगों की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। लोग अपने परिजनों की जानकारी के लिए इन नंबरों पर कॉल कर सकते हैं। श्रद्धालुओं की विधिक सहायता व जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मेला क्षेत्र में विधिक जागरूकता व साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संतोष राय के निर्देशानुसार सचिव दिनेश कुमार गौतम ने श्रद्धालुओं को विधिक अधिकारों, आपातकालीन सहायता सेवाओं और विधिक सहायता केंद्रों की जानकारी दी। मेला क्षेत्र में हुई भगदड़ में घायल व मृत श्रद्धालुओं की पहचान के लिए अस्पतालों, डीएम महाकुम्भ को पत्र प्रेषित कर रिपोर्ट मांगी गई। सेक्टर तीन स्थित जनपद न्यायालय शिविर में एक विधिक सहायता केंद्र स्थापित किया गया है, जहां पराविधिक स्वयंसेवक मेला क्षेत्र में घायल व मृत श्रद्धालुओं की जानकारी एकत्र कर भारत के विभिन्न जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से उनकी पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। महाकुम्भक्षेत्र में स्थापित अस्पतालों में भी पराविधिक स्वयंसेवकों की नियुक्ति की गई है, जो घायल व मृत श्रद्धालुओं का विवरण संकलित कर रहे हैं।

इन नंबरों पर करें कॉल– नालसा टोल फ्री नंबर 15100

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोबाइल नंबर 9532671570

बता दें कि महाकुंभ भगदड़ के बाद से अभी भी कई लोग लापता हैं जिनके परिवार वाले ढूंढ रहे हैं। कई लोगों के परिवार के लोग उन्हें ढूंढते हुए महाकुंभ पहुंच गए हैं। वहीं, कई लोगों के परिवार वाले फोन और अन्य तरीकों से अपने परिवार के लापता सदस्यों को खोजने की कोशिश में जुटे हैं। वहीं, प्रशासन लापता लोगों को खोजने में लोगों की मदद में लगा है।

हड्डी से संबंधित रोगों का समय से इलाज जरूरी: डा.शिवम

करछना। हमारे शरीर में हड्डी से संबंधित रोगों का समय से इलाज बहुत जरूरी है। अन्यथा की स्थिति में धीरे–धीरे यही रोग और भी जटिल हो जाते हैं। जहां इसके इलाज के लिए मरीजों को दूर दराज के अस्पतालों में भटकना भी पड़ता है और अधिक

खर्च का बोझ भी उठाना पड़ता है। कभी–कभी शरीर में हल्के चोट,मोच के प्रति लोग लापरवाही बरतते हैं और गंभीरता से नहीं लेते। जिससे बाद में गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है। यह बातें अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवम पांडेय ने रामपुर स्थित जनहित अस्पताल में एक महिला की सफल कूल्हा प्रत्यारोपण करने के उपरांत कही। क्षेत्र के चकमिश्रान, करछना की रहने वाली 26वर्षीय सुधा कुछ वर्ष पहले फिसल कर गिर गई थी।जहां उन्हें बाएं कूल्हे में चोट आई थी,लेकिन इसे गम्भीरता से नहीं लिया। धीरे–धीरे लगभग 6 वर्ष बाद चोट की स्थिति गंभीर होने पर कई तरह की जांचों के बाद पता चला कि उनका कुल्हा गंभीर स्थित में है।डॉक्टरों ने बताया कि कूल्हा बदलना ही एक मात्र समाधान है। परिजनों ने बताया कि बीते दो दिन पूर्व जनहित अस्पताल रामपुर में डॉ. शिवम पांडेय द्वारा सुधा का सफल हिप ट्रांसप्लांट किया गया और अब वह बिल्कुल स्वस्थ है। परिजनों ने कहा कि ऐसे गंभीर इलाज के लिए जहां मरीजों को दिल्ली,मुंबई,लखनऊ की बड़ी अस्पतालों के लिए भटकना पड़ता था वहीं अब अपने क्षेत्र में ही योग्य चिकित्सक और सफल इलाज की सुविधा होने से अन्य भी लोगों को ऐसे रोगों की स्थिति में काफी सुविधा मिलेगी।

महाकुंभ में 14 से 17 फरवरी के बीच बनेंगे चार विश्व रिकॉर्ड

प्रयागराज। महाकुंभ नगर में चार विश्व रिकॉर्ड भी बनेंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से इसका कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार 14 से 17 फरवरी के बीच हर दिन एक रिकॉर्ड बनेगा। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी पहुंच गई हैं और उन्हीं की निगरानी में आगे की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। कुंभ 2019 में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए गए थे। इसके तहत 500 से अधिक शटल बसों को एक संचालित करने का रिकॉर्ड बना था। इसके अलावा 10 हजार सफाई कर्मियों ने एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया था, जो एक रिकॉर्ड रहा। इसी क्रम में आठ घंटे में साढ़े सात हजार लोगों के हैंड प्रिंट लेने का रिकॉर्ड बना था। महाकुंभ में चार विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। खास यह कि इस बार विश्व रिकॉर्ड के माध्यम से दुनिया को स्वच्छता एवं पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देने का लक्ष्य रखा गया है। इसे ध्यान में रखकर नदी के किनारे एवं जलधारा में अलग–अलग सफाई अभियान के साथ ई–रिक्शा संचालन का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। गौर करने वाली यह भी है कि मेला प्राधिकरण इस बार अपने ही दो रिकॉर्ड तोड़ेगा। वहीं दो अन्य रिकॉर्ड पहली बार बनेंगे।

पहले दिन यानी, 14 फरवरी को स्वच्छता का विश्व रिकॉर्ड बनेगा। इसके तहत 15 हजार कर्मचारी एक साथ गंगा एवं यमुना नदी के किनारे 10 किमी तक सफाई अभियान चलाएंगे। अभी 10 हजार कर्मचारियों के एक साथ सफाई अभियान चलाने का रिकॉर्ड है जो कुंभ 2019 में मेला प्राधिकरण ने बनाया था। इस रिकॉर्ड को बनाने में 2.13 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

15 फरवरी को नदी की सफाई का रिकॉर्ड बनेगा। उस दिन 300 कर्मचारी एक साथ गंगा नदी में उतरकर सफाई करेंगे। इस तरह का पहली बार रिकॉर्ड बनेगा। इस पर 85.53 लाख रुपये खर्च होने की उम्मीद है।

16 फरवरी को ई–रिक्शा संचालन का रिकॉर्ड बनेगा। उस दिन मेला क्षेत्र में त्रिवेणी मार्ग पर 1000 ई–रिक्शा का एक साथ संचालन होगा। इस तरह का पहली बार रिकॉर्ड बनेगा। इस रिकॉर्ड को बनाने में 91.97 लाख रुपये खर्च होंगे। 17 फरवरी को कैनवस पर हैंड प्रिंटिंग का रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

योगीश्वर कृष्ण को समर्पित 'कृष्णायन' में लीला धारी के मनोहारी चरित की मुग्धकारी प्रस्तुति

प्रयागराज। अपने बालचरित, मधुरतम लीलाओं और भगवदगीता के माध्यम से सम्पूर्ण जगत को ज्ञान–कर्म और भक्ति के यथार्थ रूप का संदेश देने वाले लीलाधारी कृष्ण के चरित पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 'कृष्णायन' के मंचन ने मध्यप्रदेश मण्डप की सांस्कृतिक संध्या को केवल सुरमयि ही नही बनाया अपितु उपस्थित श्रद्धालुओं को कृष्ण भक्ति की रसमयि धारा में डुबकी लगाने को विवश भी कर दिया। भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की करतल ध्वनि कृष्णलीला के प्रति लोकआस्था की गहराई की संकेतक थी।

मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा लोकपर्व की सांस्कृतिक संध्या का प्रमुख आकर्षण उज्जैन की नाट्य संस्था विशाला द्वारा 'कृष्णायन' की प्रस्तुति की। नाटक की परिकल्पना मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की निर्देशन संजीव मालवीय, मंच प्रबंधन राजेश कुशवाहा एवं आलेख सतीश दवे का था।

सधे व कसे हुए दृष्यबंधों, अभिनय की मनोहारी भावाभिव्यक्ति एवं दृष्यों के अनुरूप वस्त्रविन्यास से सज्जित 'कृष्णायन' का शुभारम्भ महर्षि वेदव्यास एवं उनके चार षिष्यों के प्रष्नोत्तर से होता है। महर्षि व्यास उन्हें कृष्ण जन्म के कारणों और उनके कृत कार्यो का क्रम से उत्तर देते है। कंस के अत्याचार से पीडित पृथ्वी का ब्रह्मा और देवताओं को लेकर भगवान विष्णु के पास जाना, विष्णु लक्ष्मी का आपस में वार्तालाप, विष्णु द्वारा कृष्ण के रूप में अवतरित होने की बात करना, कंस का दरबार कंस द्वारा देवकी का वसुदेव से विवाह उसी समय देवकी के गर्भ से उत्पन्न पुत्र द्वारा कंस के वध की भविष्य वाणी का होना, कंस द्वारा उन्हे जेल मे डालना, उत्पन्न होने वाले सन्तानों का वध करना तथा कृष्ण जन्म होते ही वसुदेव द्वारा उन्हे नन्द यषोदा के पास पहुचाना, कृष्ण की बाल लीला, कृष्ण राधा मिलन, गोपियों संग रास, वेदव्यास द्वारा रास रहस्य वर्णन, कंस द्वारा अक्रूर को गोकुल से कृष्ण बलदाऊ को मथुरा बुलाना, कंस वध, उज्जयिनी में महर्षि सांदीपनि आश्रम में कृष्ण की षिक्षा रूक्मणि और मित्रवृंदा हरण, कृष्ण–परशुराम मिलन, कृष्ण सुदामा प्रंसग, शिशुपाल वध, कृष्ण शांति दूत, युद्ध में अर्जुन को गीता का उपदेष आदि प्रसंगों, तथा वर्तमान समय में कृष्ण के उपदेशो की उपयोगिता को अत्यन्त मनोहारी दृष्यों के माध्यम से मंचित किया गया।

प्रारम्भ में मध्यप्रदेश मण्डप पधारने पर माननीय मुख्य मंत्री का जनजातीय कलाकरों ने पारम्परिक नृत्यों से तथा मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के निदेशक, एन.पी. नामदेव ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

उपज,भाकियू भानु की संयुक्त बैठक संपन्न

पत्रकार सुरक्षा कानून बनना चाहिए: जिंदल

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट(उपज), भारतीय किसान यूनियन भानू की संयुक्त बैठक वृंदावन में एक धर्मशाला में आयोजित की गई। जिसमें कार्यक्रम के संयोजक अंकित तिवारी ने दोनों संगठनों के सभी पदाधिकारियों का माला और तस्वीर देकर सम्मानित किया।

भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरेश ठैनुआ एवं जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान ने मीडिया के कार्य की सराहना की और कहा कि देश के अन्न दाताओं की ज्वलंत समस्याओं को मीडिया के माध्यम से सरकार तक पहुंचाया है भारतीय किसान यूनियन भानू हमेशा सामाजिक सरोकारों से ताल्लुक रखती है और देश हित में किसानों के साथ हमेशा खड़ी रहती है। उपज के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने कहा कि मीडिया हमेशा से ही अपनी कलम से निष्पक्ष होकर सच लिखती है बिना किसी भेदभाव के सामाजिक संगठनों की आवाज को राष्ट्रहित में बुलंद करती रही है सभी संगठनों को भी मीडिया कर्मियों के हितों की बात अपने मंच से करनी चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के पत्रकार सुरक्षा कानून संसद में बनना चाहिए। बैठक में सड़क हादसे में छाता के वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार गुप्ता को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए दो मिनट का शोक रखा गया और मृतक परिवार को उपज के वरिष्ठ पदाधिकारी ठाकुर यशवीर सिंह राघव, भाकियू भानु राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ एवं क्षत्रिय महासभा के द्वारा आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की गई।

भारतीय किसान यूनियन भानुके वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ ने अंकित तिवारी को प्रमाण पत्र देकर भाकियू भानु में महानगर महा सचिव का पद देकर उन्हें किसानों के हित में कार्य करने की शपथ दिखाई। कार्यक्रम का संचालन मथुरा जिला उपज के जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान ने किया। इस दौरान उपज के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल,भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ, सामलिया फॉर्म हाउस के चेयर मेन एवं उपज के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ठाकुर यशवीर सिंह राघव, उपज जिला उपाध्यक्ष विजय सिंघल,उपज जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह छौंकर,जिला उपाध्यक्ष चेतन राघव,जिला उपाध्यक्ष धीरज पचौरी, वरिष्ठ अधिवक्ता ऊषा सोलंकी, लक्ष्मी शर्मा, शैलेंद्र मिश्रा,महेश वर्मा, प्रिंस वर्मा आदि रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में हुआ कुम्भ की वैज्ञानिकता पर चिन्तन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित अन्ताराष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के सभागार में किया गया।। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव संस्कृत विभाग, सी.एम.पी.महाविद्यालय प्रयागराज ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया तथा समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी , रज्जू भय्या विश्वविद्यालय ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया।

प्रथम सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति अखिलेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्वान प्रो. प्रेमराज न्योपाने ने कहा कि महाकुम्भ खगोलीय गणनाओं पर आश्रित है तथा धार्मिक दृष्टि से ही नहीं अपितु पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सारस्वत अतिथि प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह सी.एम.पी. महाविद्यालय ने कहा कि गंगा में बैकटीरियोफेज होता है जो रोगजनक विषाणु को मारता है।

डॉ. विनोद कुमार संस्कृत विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाकुम्भ एक प्राचीन परम्परा है, स्नान से पुण्य प्राप्ति का वर्णन ऋग्वेद के खिल सूक्त में प्राप्त होता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि कुम्भ हमारी आत्मा से जुड़ा पर्व है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्राध्यक्ष के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि बारह वर्ष के अन्तराल पर लगने वाला कुम्भ हमारे लिए वैक्सीन की तरह है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव एडीलेड,आस्ट्रेलिया ने आभासीय पटल पर उपस्थित होकर कहा कि कुम्भ पर्व पर्यावरण संचेतना को विकसित करता है।

उन्होंने महाकुम्भ की पर्यावरणीय चेतना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाकुम्भ वैज्ञानिकों के लिए एक प्रयोगशाला है।

सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. आशुतोष कुमार सिंह अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि कुम्भ पर्व विविध रंगों का केन्द्रबिंदु है। प्रो. मञ्जुलता तथा प्रो. राजेन्द्र त्रिपाठी रसराज ने कहा कि कुम्भ कल्पवासियों की साधना का प्रतिफल है। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आरूणेय मिश्र प्रभारी संस्कृत विभाग यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज ने अपने वक्तव्य में आठ सिद्धियों के वैज्ञानिक महत्त्व को बताया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. पीयूष मिश्र ने किया।

सङ्गोष्ठी के तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में प्राध्यापकों सहित शताधिक प्रतिभागियों ने शोध–पत्र वाचन किया।

डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सङ्गोष्ठी में श्कुम्भ पर्व रू आस्था एवं विज्ञान श पुस्तक का विमोचन भी हुआ। सङ्गोष्ठी में बड़हलगंज स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ. योगेन्द्र तिवारी सहित नितिन, अनन्तजी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, ऋषभ त्रिपाठी, पूनम , खुशी , रितु आदि सैकड़ों शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित थे।

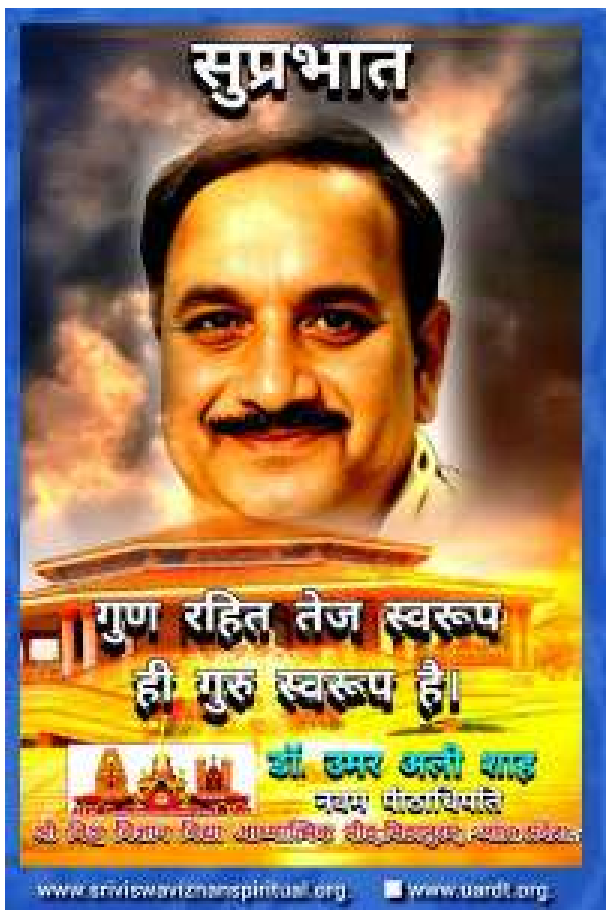

कुम्भ है पावन–पावन

(कुण्डलिया)

पावन भूमि प्रयाग ही,है वह आस्था–पीठ।
जहाँ साधु अरु भक्त को,मिलती है नवदीठ।
मिलती है नवदीठ,न इसमें संशय करना।
धारण करके धर्म,हमेशा प्रत्यय बनना।
सुन लो कहे प्रदीप, समझ कर अपनापन।
कहता माघ कहार,कुम्भ है पावन–पावन। ।

नेक नसीहत दे रहा,वासन्तिक परिधान।
बीत रहे इस कुम्भ का,पढ़ो तनिक विज्ञान।
पढ़ो तनिक विज्ञान, समझ कुदरत की माया।
जीवन का इतिहास,धर्म की पावन छाया।
सुन लो कहें प्रदीप, कराओ नहीं फजीहत।
गंगा–तीरे बैठ,सदा लो नेक नसीहत। ।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

साबरमती से चलेगी महाकुंभ स्पेशल ट्रेन, जम्मूतवी एक्सप्रेस तीन दिन कैंसिल

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला के दौरान प्रयागराज जंक्शन और छिवकी रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के प्लेटफार्मों में बदलाव किया गया है। यह परिवर्तन नौ से 28 फरवरी 2025 तक लागू रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और मेला के दौरान ट्रैफिक को मैनेज करने के लिए यह निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर उपलब्ध डिजिटल डिस्प्ले, अनाउंसमेंट और रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से अपडेट लेते रहें। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म एक पर आने वाली 22449 संपर्क क्रांति एक्सप्रेस अब प्लेटफॉर्म दो आएगी।

इसके अलावा 14037 न्यू दिल्ली पूर्वोत्तर एक्सप्रेस अब प्लेटफॉर्म दो, 22415 वंदे भारत प्लेटफार्म छह, 15004 चौरी चौरा एक्सप्रेस प्लेटफार्म छह, 22442 इंटरसिटी प्लेटफार्म एक, 12311 नेताजी एक्सप्रेस प्लेटफार्म दो, 12505 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस प्लेटफार्म दो और 22410 बीएसबीएस वंदे भारत प्लेटफार्म छह पर आएगी। वहीं, प्रयागराज छिवकी पर 18201 दुर्ग एक्सप्रेस प्लेटफार्म दो पर आएगी। 17610 जीएयू एक्सप्रेस प्लेटफार्म दो, 11081 एलटीटी गोरखपुर एक्सप्रेस प्लेटफार्म दो पर आएगी।

21 फरवरी को साबरमती से महाकुम्भ विशेष ट्रेन का संचालन होगा। यह ट्रेन वाराणसी से 22 फरवरी को लौटेगी। 09453 साबरमती से सुबह 11 बजे चलकर अजमेर, जयपुर, भरतपुर, आगरा फोर्ट, गोविंदपुरी होते हुए अगले दिन दोपहर 1रू20 बजे प्रयागराज जंक्शन आएगी। यहां से बनारस जाएगी। वापसी में 09454 शाम साढ़े सात बजे प्रयागराज होकर जाएगी। रेलवे ने जम्मू तवी–यार्ड (यार्ड रिमॉडलिंग के लिए) में एनआई कार्य के कारण गाड़ियों की री शेड्यूलिंग और निरस्तीकरण करने का निर्णय लिया है। ट्रेन नंबर 03309 (धनबाद जम्मू तवी) आठ, 15 और 18 फरवरी को धनबाद से 140 मिनट देरी से चलेगी। वहीं जम्मू से नौ, 16 और 19 फरवरी को 140 मिनट देरी से चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर 03309 (धनबाद जम्मू तवी) 22 फरवरी, एक और तीन मार्च को निरस्त रहेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 03310 (जम्मू तवी–धनबाद) 23 फरवरी, दो और पांच मार्च को निरस्त रहेगी।

शाम तक 1 करोड़ श्रद्धालु कर सकते हैं स्नान, राजस्थान और एमपी के सीएम ने लगाई डुबकी

प्रयागराज। महाकुंभ में श्रद्धालुओं का जलसैलाब उमड़ रहा है। आज सुबह 8 बजे तक 42.31 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया था। ये संख्या आज शाम तक 1 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। अखाड़ों की रवानगी के बाद श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ रही है। आम जनता के साथ–साथ वीआईपी और सेलेब्स भी महाकुंभ स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। आज पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने पत्नी के साथ स्नान किया। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 115 विधायकों के साथ महाकुंभ पहुंचे हैं।जानें महाकुंभ से जुड़े लाइव अपडेट्स

महाकुम्भ 2025 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, सेवा और समर्पण का महायज्ञ है। यह वास्तव में दो प्रकार के लोगों का होता है, वे जो श्रद्धा के साथ आते हैं, और वे जो सेवा में समर्पित होते हैं। ऑथर और स्पीकर शेफाली वैद्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाकुम्भ को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ उन श्रद्धालुओं का होता है, जो केवल वश्विास के साथ आते हैं। वे, जो संगम में पवित्र स्नान के लिए घंटों प्रतीक्षा करते हैं, जो गंगाजल को संजोकर घर ले जाते हैं, जो शिकायत नहीं करते, सिर्फ आस्था रखते हैं। जब वे संगम में डुबकी लगाते हैं, तो मानो वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं, यह विश्वास रखते हुए कि संगम की गोद में समर्पण से उनके जन्म–जन्मांतर के पाप धुल जाएंगे। उनका कहना है कि महाकुंभ उन सेवकों का भी होता है, जो यहां कुछ मांगने नहीं, बल्कि देने आते हैं। 15,000 सफाई कर्मी, जो करोड़ों श्रद्धालुओं के कदमों के निशान मिटाते हैं।

सम्पादकीय.....

जिंदगी का गणित

लंबे समय से देश में इस बात को लेकर गंभीर विमर्श होता रहा है कि स्कूल–कालेजों में शिक्षा का स्वरूप जीवन के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए। अकसर देखने में आता है कि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में जिन गूढ़ सिद्धांतों को रटते रहते हैं उसका हमारे जीवन व रोजगार से कोई व्यावहारिक सरोकार नहीं दिखता। यही वजह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा पद्धति रटने वाली होने के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर आधरित हो। जो वास्तविक ज्ञान सीखने पर बल दे। जिससे पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र स्कूल–कालेजों में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में उपयोग कर सकें। जिससे छात्र अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना करने के लिये तैयार हो सकें। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो द्वारा तैयार किए गए और हाल ही में चर्चा में आए एक अध्ययन का निष्कर्ष बताता है कि छात्रों को दैनिक जीवन में काम आने वाले व्यावहारिक गणित के ज्ञान में पारंगत होना चाहिए। जैसा गुण बाजार में काम करने वाले भारतीय बच्चों में देखने में आता है। अकसर महसूस किया जाता है कि कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला गणित जीवन व्यवहार में काम नहीं आता। दूसरे शब्दों में कहें तो सीखने की सहज और औपचारिक शैलियों के बीच एक बड़ा अंतर पाया जाता है। जो इस बात पर बल देता है कि पाठ्यक्रम में सुधार करके इस खाई को पाटने का अविलंब प्रयास किया जाए। यह निर्विवाद सत्य है कि दुनिया भर में कम आय वर्ग वाली पृष्ठभूमि वाले स्कूली बच्चों के लिये गणित जैसे विषय में महारत हासिल करना एक चुनौती होती है। बल्कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनमें गणित को लेकर एक फोबिया जैसा होता है। कमोबेश भारतीय बच्चे भी इसका अपवाद नहीं हैं। यही क्रम पीढ़ी–दर–पीढ़ी चलता रहता है। लेकिन इस विसंगति की तह तक जाने के लिये कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी। वहीं दूसरी ओर देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो गरीबी और विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण स्कूलों का मुंह नहीं देख पाए। जिसके चलते पारिवारिक मजबूरियों के कारण उन्हें छोटे–मोटे काम करने के लिये बाध्य होना पड़ता है। मसलन फेरी लगाना या सड़कों के किनारे छोटा–मोटा सामान बेचने का कार्य उन्हें करना पड़ता है। अध्ययन बताता है कि वे बिना किसी सहायता के पलभर में जटिल गणितीय गणनाएं कर सकते हैं। दरअसल, स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले अमूर्त गणित को समझना छात्रों के लिये खासा कठिन होता है। वहीं दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि इन छात्रों के स्कूल जाने वाले, जो साथी गणित में उत्कृष्ट होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में बुनियादी गणनाओं को करने में अकसर विफल ही साबित होते हैं। वहीं दूसरी ओर देश में शिक्षा की वार्षिक स्थिति वाली रिपोर्ट यानी एएसईआर–2024 से पता चलता है कि सरकारी और निजी स्कूलों में छह से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों में अंकगणित के स्तर में सुधार हुआ है। निस्संदेह, इसे एक अच्छा संकेत माना जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में जरूरत इस बात की है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़ने और जीवन की गणनाओं में उनके व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ऐसा कोई भी प्रयास नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में मददगार हो सकता है, जो व्यावहारिक शिक्षा दिए जाने की जरूरत पर बल देती है। वास्तव में ऐसा कोई भी प्रयास छात्रों को किताबी कीड़ा या परीक्षा योद्धा बनाने के बजाय स्ट्रीट–स्मार्ट बनाकर उनकी रोजगार पाने की क्षमता और योग्यता में सुधार करने में मददगार साबित हो सकता है। जैसा कि शिद्दत से महसूस किया जा रहा है कि भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास को तेज गति देने के लिये एक कुशल कार्यबल की नितांत आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा पद्धति समय के साथ कदमताल करेगी। देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिये रोजगारपरक शिक्षा अनिवार्य शर्त है। जिसका आधार व्यावसायिक व गुणात्मक शिक्षा ही हो सकती है।

देश के प्रति समर्पण राष्ट्र के बौद्धिक व आर्थिक विकास की बुनियाद

संजीव ठाकुर

> *बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।*

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता हैस राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता हैस स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे ।वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल हैस इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई,

सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया हैस वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैस आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैंस यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं। किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों–रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा ,कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है ।देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल ,हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय ,बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है। वर्तमान में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए की कक्षाओं को चरित्र निर्माण ,अनुशासन ,उत्कृष्ट नवाचार ,लोकतांत्रिक विचार संरचना का केंद्र बनाकर इसकी शिक्षा दीक्षा दी जानी चाहिए। कक्षाओं से बच्चे आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी स्थापित कर स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर आने वाले वर्षों में कई युवाओं को रोजगार देकर संपूर्ण मानवता ,पर्यावरण की रक्षा तथा राष्ट्र के उत्कर्ष को सही दिशा देने का काम करेंगे। जिससे राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रीयता की भावना को एक मजबूत आधार प्राप्त हो सकेगा।

वोट बैंक के कारण भारी पड़ रहे हैं तुगलकी पंचायती फैसले

योगेन्द्र योगी

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन–प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक–बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक–एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज दिया।

साथ ही फैसला देने वाले रोंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100 –1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता, वही कानून की धज्जियों उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि

शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50–60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किन्तु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत की मनमाने निर्णय पर सत्तारुढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं। खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था।

जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायत बेतुका बयान जारी करते रही हैं। खाप पंचायत को सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और ना ही आलोचनाओं का, तभी तो उसके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था।

खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाये और पुरुष उनकी और आकर्षित ना हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था।

राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताडिघ्त किया और 1,51,000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया। झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुई। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामले में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाए इनमें वोट बैंक के हित ढूंढती नजर आती हैं। यह निश्चित है जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे।

बीमा निजीकरण के पीछे क्या है?

अरविन्द मोहन

बीमा निजीकरण का सरकारी और उदारीकरण अभियान का मिशन पूरा होने को है। इस बार बजट में सौ फीसदी विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के लिए दरवाजे खोले जा चुके है और उम्मीद की जा रही है कि संसद के इसी सत्र में सरकार नया बीमा संशोधन विधेयक पास कराने का प्रयास करेगी और जो स्थिति है उसमे इसे पास कराने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इस बार मजदूर संगठनों से और किसी अन्य संगठित से विरोध के लक्षण अभी तक नहीं दिखे हैं। चार साल पहले जब सरकार ने विदेशी भागीदारी की सीमा 74 फीसदी की थी तब देश की चारों आम बीमा कंपनियों के साथ बैंक अधिकारियों के संगठन ने साझा विरोध अभियान चलाया और कई मामलों में सरकार को कदम वापस खींचने पड़े। और पांच साल का अनुभव यही बताता है कि उससे खास बात बनी नहीं। न ज्यादा नई पूंजी आई ना ही देश में चल रही कंपनियों में खरीद या घुसपैठ में ज्यादा दिलचस्पी ली गई। एक ही बड़ी निजी कंपनी कोटक महिंद्रा में अदल–बदल हुई। इससे न तो ज्यादा पूंजी आई न उत्साह दिखा। इस बार यह कदम उठाने के पीछे यह अनुभव तो था ही उदारीकरण के बचे–खुचे मिशन को पूरा करने का उद्देश्य भी होगा। और माना जा रहा है कि जो बिल सदन में लाया जाएगा उसमें रोक–टोक और निवेश की शर्तों में श्बाधाश बनने वाले प्रावधानों को निपटाने की तैयारी है। दो आर्थिक अखबारों को बजट के बाद दिए इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो कुछ कहा उसका शत–प्रतिशत विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के निदेशक मण्डल में हिन्दुस्तानी सदस्यों और विशेषज्ञों को रखने की अनिवार्यता वाला अभी का प्रावधान उठा लिया जाएगा। प्रीमियम से वसूली रकम को देश में ही लगाने की शर्त रहेगी लेकिन ऐसी कंपनियों को मुनाफा बांटने और निवेश संबंधी फैसलों में पूरी आजादी दी जाएगी। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का कहना है कि कई नियम और प्रावधान अप्रासंगिक बन गए हैं इसलिए उनको भी बदला जाएगा– हालांकि उन्होंने ऐसे प्रावधानों का जिक्र नहीं किया। इन कदमों से क्या नतीजा आएगा, इसके बारे में जानकार लोगों की राय अभी भी बंटी हुई है। कई लोगों को लगता है कि सौ फीसदी मिल्कियत होने से भारी मात्रा में पूंजी ही नहीं आएगी, बीमा का व्यवसाय भी बदलेगा और बहुत नए तथा आकर्षक प्रोडक्ट लांच होंगे। इससे भारतीय समाज लाभान्वित होगा। ऐसे लोग भी हैं जिनका मानना है कि उदारीकरण के पूरे दौर या उससे पहले से देशी बीमा कंपनियों का जैसा काम चलता रहा है उसमें विदेशी कंपनियों के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं है। यह बात अभी तक के अनुभव से भी सही ठहरती है क्योंकि प्रीमियम जुटाने या क्लेम के निपटारे में पहले पांच स्थानों पर अभी भी देशी कंपनियां ही बनीई हुई हैं और ये सब की सब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हैं। उनके क्लेम निपटारे का रिकार्ड विदेशी भागीदारी वाली कंपनियों से बहुत अच्छा है और उनके यहां पॉलिसीज को लेकर विवाद(कानूनी भी) बहुत कम हैं। यह बात लगातार सबकी जानकारी में है कि उदारीकरण अभियान में शुरू से ही बैंकिंग, पूंजी बाजार और बीमा को खोलने का दबाव रहा है। यह काम लाख विरोध और विदेशी हिस्सेदारी बढ़ाने के खराब अनुभव के बावजूद लगातार आगे बढ़ा है। और इस बार उसे अंतिम नतीजे तक पहुंचाने का फैसला हुआ है। यह माना जाता है कि इस सरकार ने सिर्फ दो बीमा कंपनियों(जिनमें एक जीवन बीमा और दूसरी सामान्य बीमा) और पांच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को ही अपने हाथ में रखकर बाकी सबको बाजार के हवाले करने का मन बनाया है। जब भारतीय मजदूर संघ समेत अन्य मजदूर संघों और राजनैतिक विरोध ज्यादा दिखा तो बात दबा ली गई, इस बार कहीं से कोई आवाज नहीं है तो शत–प्रतिशत विदेशी निवेश का फैसला कर लिया गया। अब अनुभव या उपभोक्ताओं के हित या देश की अर्थव्यवस्था का लाभ घाटा देख समझकर यह कदम उठाया जा रहा है तो इसके अपने तर्क ज्यादा कमजोर नहीं हैं। असल में पूंजीध्शेयर बाजार, बीमा और बैंकिंग प्रधानतरू पूंजीवाद का सबसे मजबूत उपकरण बन गए हैं और इस अर्थव्यवस्था में पूंजी का इंतजाम करने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। अपनी आर्थिक व्यवस्था के मजबूत पदों पर बैठे किसी व्यक्ति से बहस कीजिए तो वह आपके सारे तर्क मानकर भी आखिर में यही कहेगा कि यह कदम देश की उदार निवेश व्यवस्था में भरोसा पैदा करने के लिए जरूरी है और इन तीनों क्षेत्रों में उदारीकरण के लिए जिन कदमों को उठाया गया उसके लाभ या घाटा जो भी रहे हों बात आगे ही बढ़ती गई है तो बीमा क्षेत्र को शत–प्रतिशत खोलना रोका नहीं जा सकता था। यह एक तरह की पूर्णाहुति है। लेकिन बीमा व्यवसाय से जुड़े लोग आपको ठीक–ठीक हिसाब बताकर यह समझा देंगे कि देसी कंपनियों का कारोबार विदेशी और नामधारी कंपनियों से बेहतर है। प्रीमियम जमा करने और दावे निपटाने का रिकार्ड भी बेहतर है–बल्कि पहले पांच स्थानों पर सार्वजनिक क्षेत्र वाली कंपनियां हैं। इस मामले में यह उल्लेख करना जरूरी है कि क्लेम के मामले में एक ओर बड़ी कंपनियों के चंट वकील और लीगल टीम होती है तो दूसरी तरफ अपनी बचत का पाई–पाई लगाने वाला अकेला ग्राहक। अपने यहां, विदेशी और निजी बीमा कंपनियों से यह शिकायत आम है कि उनके एजेंट जिस पॉलिसी के नाम पर स्वीकृति और पैसा लेते हैं बाद में वह किसी और पॉलिसी में बदल देते है–आम तौर पर बाजार में ज्यादा जोखिम वाली योजनाओं में पैसा लगाया जाता है। लेकिन जिस चीज की असली चर्चा होनी चाहिए वह इन कंपनियों से मिलने वाले बीमा के दायरे का है। वह विदेशी नाम या बड़े ब्रांड का बीमा तो करेंगे लेकिन देसी और छोटे उद्यमियों के उत्पाद बीमा के दायरे से बाहर हो जाते हैं, इसे अभी सबसे अच्छी तरह बीमारी के इलाज के सिलसिले से समझा जा सकता है।

कल को मकान, दूकान, फर्नीचर, बरतन–बासन और हर चीज के बीमा में यह भेद दिखेगा और लगेगा कि विदेशी बीमा कंपनियां कुछ खास संगी साथियों की मदद करने आई है–आम लोगों से उनका कोई मतलब नहीं है। इससे भी ज्यादा घातक बात निवेश वाली कंपनियों का चुनाव है जो बहुत स्पष्ट ढंग से पक्षपात बढ़ाती हैं। पैसा हमारा आपका और निवेश का फैसला इन कंपनियों के हाथ में जाने से कुछ कंपनियों की आश्चर्यजनक तेज वृद्धि का रहस्य समझा जा सकता है। सो वे तो शत–प्रतिशत विदेशी मिल्कियत के लिए बेचौन होंगी ही हमारी सरकारें क्यों निरंतर उनका मिशन आगे बढ़ाने में लगी रही हैं यह समझना खास मुश्किल नहीं होना चाहिए।

तमन्ना भाटिया

बोलीं

मैं आजतक अमिताभ बच्चन से नहीं मिल पाई हूं, किसी इवेंट में भी उन्हें सामने से भी नहीं देखा

तमन्ना भाटिया ने बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच एक ब्रिज की तरह काम किया है। उन्होंने कहा– मुझे लगता है कि ऐक्टर बनने का जिम्मा एक इंसान उठा सकता लेकिन ऑडियंस उसे कब अपनाएगी, ये उसके हाथ में नहीं होता है। वहीं तमन्ना ने ये भी कहा कि वो आज तक अमिताभ से नहीं मिलीं और उनसे मिलने की तमन्ना है। तमन्ना ने साउथ से लेकर बॉलिवुड इंडस्ट्री में जाना–पहचाना नाम हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम को लेकर उन्होंने कहा–यहां कमाई के नंबर्स का कोई दबाव नहीं वहीं उन्होंने कहा कि वो आज तक अमिताभ बच्चन से नहीं मिल पाई हैं तमन्ना भाटिया ने बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच एक ब्रिज बनाने का काम किया है। वह दोनों ही इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ बड़ी सरलता और सहजता के साथ काम करती जा रही हैं। अदाकारा कहती हैं कि ऐक्टर बनने का जिम्मा एक इंसान उठा सकता है लेकिन ऑडियंस आपको कब अपनाएगी ये आपके हाथ में नहीं होता। शायद, इसीलिए वह कहती हैं कि ऐक्टर को अपने काम से ऑडियंस को पटाकर रखना चाहिए। बीते दिनों वह अपने पापा की जन्मस्थली लखनऊ आईं तो हमसे उन्होंने खूब बातें कीं। इस दौरान उन्होंने सफलता के मायने से लेकर दिल की कसक तक का हाल बयां किया। ओटीटी में कमाई के नंबरों का दबाव नहीं होता मुझे लगता है कि हिरोइन सेंट्रिक फिल्में बहुत पहले से बनती आ रही हैं। 2024 की शुरुआत मैंने एक तमिल फिल्म आरनमनई–4 से की थी। उसने 100 करोड़ कमाए। वो थिएटर रिलीज थी और बस तमिल भाषा में ही आई थी। इसमें मेरे साथ राशि खन्ना थीं। मुझे नहीं लगता कि ओटीटी की वजह से ज्यादा हीरोइन सेंट्रिक फिल्में बन रही हैं। पहले भी श्रीदेवी, माधुरी, ऐश्वर्या को लेकर हीरोइन सेंट्रिक फिल्में बनी हैं। श्रीदेवी मैम की जुदाई, इंग्लिश–विंग्लिश, मदर्स तो मुझे बहुत पसंद है। हां, यह जरूर है कि ओटीटी हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका देता है। ऐसी अलग–अलग फिल्में करने दे रहा है, जिनमें कमाई के नंबर्स का कोई दबाव नहीं है। यह प्लैटफॉर्म इस किस्म का दबाव कलाकारों के ऊपर से उतार देता है। ओटीटी में एक्सपेरिमेंट किए जा सकते हैं। अलग–अलग कहानियां बता सकते हैं और अलग–अलग व नए लोगों को मौका दे सकते हैं। एक सिनेमा हॉल में मास अपील होनी जरूरी है, नहीं तो वह फिल्म नहीं चलेगी। कई बार फिल्में लोगों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं लेकिन ओटीटी हर कोई अकेले या दोस्तों के साथ देखता है। आपके पास वहां पर विकल्प हैं कि आपको कौन सी फिल्म देखनी है। यह मौका बस आपको ओटीटी ही देता है। खुद से पूछती हूं कि क्या सही रोल के लिए कास्ट हुई ऐसे बहुत से फिल्ममेकर हैं, जिनके साथ सच में काम करना चाहती हूं। इसमें इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली के नाम शामिल हैं। अभी जिस दौर से गुजर रही हूं, उसमें मैं यह नहीं सोचती कि किसके साथ काम करना है। असल में, कास्टिंग आज के वक्त में बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। अगर आप कोई बड़ी फिल्म बना रहे और उसमें अच्छी कास्टिंग नहीं की तो वो मुश्किल में पड़ सकती है। ऐसे में, अब मेरा नजरिया बिल्कुल बदल चुका है। अब तो मैं कई बार खुद से यह सवाल करती हूं कि क्या सही रोल के लिए कास्ट हुई हूं। कह सकते हैं कि हॉलिवुड में इस चीज को बहुत पहले से फॉलो किया जा रहा है। मुझे लगता है कि कलाकार इस चीज के लिए बाउंड नहीं होने चाहिए कि ये करना चाहिए और ये नहीं करना चाहिए। वो वाला कल्चर अब खत्म हो गया है। मैं ऐसे फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका ढूंढती हूं, जो इन बातों का खयाल रखते हैं। श्मैंने और मेरे पैरंट्स ने एकसाथ ग्रो कियाश फिल्मों में मैंने बचपन से ही काम करना शुरू कर दिया था। मेरी पहली फिल्म आई थी, तब मैं 15 साल की थी। तब चाहती थी कि मैं जिस तरह की फिल्में करूं, उसे देखकर मेरे पैरंट्स असहज ना महसूस करें। सबसे अच्छी बात यह है कि जैसे मैं अपनी जिंदगी और करियर में बढ़ती गई, वैसे ही मेरे पैरंट्स भी अपनी उम्र के साथ ग्रो करते गए। हम सबने एक साथ मेंटली ग्रो किया है। मैं फिर एक ऐसे मोड़ पर आ गई, जहां लगा कि मेरे पास ऑडियंस को देने के लिए कुछ नहीं है। इसमें सबसे बड़ा रोड़ा मेरा दिमाग बन रहा था। मैंने सोच लिया कि ये नहीं कर सकती, वो नहीं कर सकती। हालांकि, उस वक्त मैंने तय किया कि मुझे सबकुछ करना पड़ेगा। मुझे अपने काम में कोई परिभाषा नहीं चाहिए कि उसी के हिसाब से सब करूं। मैं खुद को हमेशा क्रिएटिवली फ्री रखना चाहती थी और खुद को एक्सप्लोर करना चाहती थी, जो अब कर रही हूं। एक दौर के बाद ऑडियंस नहीं अपनाती है मुझे लगता है कि ऐक्टर बनने का जिम्मा एक इंसान उठा सकता लेकिन ऑडियंस उसे कब अपनाएगी, ये उसके हाथ में नहीं होता है। एक ऐक्टर का धर्म यही है कि वो अपना काम ईमानदारी से करता जाए। यह बड़ा हास्यास्पद है कि आप शायद एक दौर में प्रासंगिक होंगे लेकिन कुछ साल बाद वही ऑडियंस आपको नहीं अपनाएगी। एक कलाकार के तौर पर आपको किसी ना किसी तरह से अपने काम से दर्शकों को पटाकर रखना होगा। लगातार उनको अपना हुनर किसी ना किसी तरह से दिखाना पड़ेगा कि आप क्या क्रांति अपने काम के साथ कर रहे हो। यह गलतफहमी है कि सफलता मिलेगी तो सेट हो जाऊंगा खुशनसीब हूं कि मुझे दर्शकों का बहुत जल्दी प्यार मिल गया था। मुझे वो दिन आज भी याद है, जब मैंने अखबार खोलकर देखा और उसमें मेरे काम की बहुत तारीफ लिखी थी। मैं उसको पढ़कर परेशान हो गई कि अब क्या नया करूंगी। कैसे अपने टैलंट को बढ़ाऊंगी, ताकि जो पैरामीटर सेट किया गया है, वह बरकरार रहे। बहुत से लोगों को गलतफहमी है कि जिस दिन सफलता मिलेगी, उस दिन मैं सेट हो जाऊंगा। दरअसल, ऐक्टर की सफलता इस पर तय होगी कि अब क्या नया करोगे। सेट होने वाली सोच भ्रामक है। आप सफलता के पीछे नहीं भाग सकते। बस आप अपने ऐक्टिंग करियर पर फोकस कर सकते हैं, ताकि सफलता तक पहुंचने का रास्ता तय कर सकें। आप जो कुछ करें, उसमें आपका प्यार नजर आना चाहिए। आप पूरी तरह उसमें डूब जाएं। अब के दौर में सफलता और असफलता कोई परमानेंट रहने वाली चीज नहीं रह गई है। श्आज तक अमिताभ बच्चन से नहीं मिलीश मैं क्लासिकली ट्रेंड डांसर नहीं हूं। मन में हमेशा इसकी कसक रहेगी। मैंने तय किया है कि जब–जब फ्री रहूंगी तो थोड़ी–थोड़ी ट्रेनिंग लेती रहूंगी। मुझे लगता है कि क्लासिकल डांस की कई सारी टेक्नीक्स हैं, जो बहुत उपयोगी होती हैं। ये हर तरह से बहुत काम आती हैं। मैं हमेशा ही सेट पर उन टेक्नीक्स को सीखने की कोशिश करती हूं। इसको सीख लेने से आपकी चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। रही बिग बी की बात तो मैं आजतक अमिताभ बच्चन से नहीं मिल पाई हूं।

सिंगर सोनू निगम हमेशा अपनी बेबाकी के लिए चर्चा में रहते हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एआर रहमान की आवाज का स्वर बहुत अच्छा है, लेकिन वह एक महान गायक नहीं हैं। इसके अलावा, सोनू ने हाल ही में कुछ सिंगर्स को पद्म पुरस्कार ना मिलने पर भी सवाल उठाए थे। एआर रहमान एक महान सिंगर नहीं– सोनू 02 इंडिया से बातचीत में सोनू निगम से पूछा गया कि एक सिंगर के रूप में आप एआर रहमान को कैसे देखते हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, श्जाहिर है कि एआर रहमान प्रशिक्षित गायक नहीं हैं। उनके सुर अच्छे हैं, वो खुद भी कभी अपने आप को महान गायक नहीं कहेंगे, तो इस बारे में हम क्या ही कह सकते हैं। वह एक महान संगीतकार जरूर हैं और इस वजह से हमेशा सुर में रहते हैं। संगीत से जुड़े लोगों के लिए सुर में होना जरूरी है। अगर कोई सुर में ही नहीं है तो उसकी आवाज का कोई मतलब नहीं होता है। उनकी आवाज भले ही अच्छी ना हो, लेकिन वह हमेशा सुर में रहते हैं क्योंकि वह एआर रहमान हैं।श सोनू ने फिल्म जोधा अकबर के साउंडट्रैक के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे रहमान ने उन्हें श्इन लम्हों के दामन मेंश गाने का एक छोटा सा हिस्सा बनाने का मौका दिया था। सोनू ने कहा कि रिकॉर्डिंग सेशन के दौरान रहमान ने उनसे पूछा कि वह गाने के एक खास हिस्से को कैसे पेश करेंगे। सोनू ने तुरंत उसे करके बताया, जो कि रहमान को भी काफी पसंद आया और उन्होंने उसे गाने में भी शामिल कर लिया।

बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी प्रियंका चोपड़ा लंबे समय से हिंदी फिल्मों से दूर हैं. एक्ट्रेस आखिरी बार 2019 की फिल्म द स्काई इज पिंक में दिखाई दी थीं. अब वे 6 साल बाद बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी कर रही हैं. प्रियंका ने हाल ही में एसएस राजामौली की फिल्म साइन की है. इसके लिए उन्होंने तगड़ी फीस वसूली है जिसके बाद वे भारत की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस बन गई हैं. प्रियंका चोपड़ा ने एसएस राजामौली की फिल्म ैडठ29 साइन कर ली है. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने 30 करोड़ रुपए की मोटी रकम बतौर फीस चार्ज की है. इस फीस के साथ प्रियंका ने भारत में सबसे ज्यादा रकम वसूलने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में टॉप पर जगह बना ली है.ैडठ29 की स्टार कास्ट एसएस राजामौली की फिल्म ैडठ29 एक एक्शन–एडवेंचर फिल्म है. फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ साउथ सुपरस्टार महेश बाबू दिखाई देंगे. इसके अलावा खबर है कि फिल्म में जॉन अब्राहम भी दिखाई देंगे. अलग–अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन अब्राहम ने राजामौली की फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन को रिप्लेस किया है. इस फिल्म के जरिए जॉन और प्रियंका 17 साल बाद एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे. इससे पहले दोनों 2008 की फिल्म दोस्ताना में साथ नजर आए थे. टॉप 5 हाइएस्ट पेड इंडियन एक्ट्रेस बता दें कि प्रियंका चोपड़ा के बाद सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में दूसरे नंबर पर दीपिका पादुकोण हैं. दीपिका अपनी फिल्मों के लिए 15–30 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं. तीसरे नंबर पर 15 से 27 करोड़ की फीस के साथ कंगना रनौत हैं. 15 से 25 करोड़ की रकम के साथ कैटरीना कैफ चौथे नंबर पर और 10 से 20 करोड़ रुपए की फीस के साथ आलिया भट्ट इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं.

अवनीत कौर की इन तस्वीरों पर फैंस ने लगाई तारीफों की झड़ी, व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में ढाया कहर

अवनीत कौर व्हाइट सिल्क शॉर्ट ड्रेस में एक से बढ़कर एक हॉट पोज देकर फैंस के होश उड़ाती नजर आ रहीं...

तारा सुतारिया की ये हॉट फोटोज चुरा लेंगीं आपके दिल का चैन, देखने से पहले थाम लें दिल

आइए आपको दिखाते हैं तारा सुतारिया की कुछ ऐसी तस्वीरें जिन्हें देखने के बाद आप उनकी हॉटनेस और खूबसूरती के दीवाने हो...

पपराजी के कैमरे में कुछ इस अंदाज में कैद हुईं जॉर्जिया एंड्रियानी और अनन्या पांडे

हाल ही में, जॉर्जिया एंड्रियानी और अनन्या पांडे को कुछ इस लुक में कैप्चर किया, इस दौरान यो दोनों काफी किलर अंदाज में...

दूध पीने के लाभ

क्या आप डिनर के तुरंत बाद दूध पीते हैं? अगर हां, तो यह जानना जरूरी है कि यह आपकी सेहत के लिए सही है या नहीं। आयुर्वेद के अनुसार, खाने के तुरंत बाद दूध पीना सही तरीका नहीं माना जाता है। यह पाचन से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है और कुछ बीमारियों को न्योता दे सकता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि डिनर के बाद दूध पीना सही है या नहीं।

डिनर के तुरंत बाद दूध पीने के नुकसान

पाचन संबंधी समस्याएं: दूध एक भारी पेय है और इसे पचने में समय लगता है। खाने के तुरंत बाद दूध पीने से गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

एसिडिटी और गैस की समस्या: दूध में कैल्शियम और प्रोटीन होते हैं, जो पेट में एसिड के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। खासतौर पर अगर आपने मसालेदार या तला–भुना खाना खाया है, तो दूध पीने से अपच हो सकता है।

वजन बढ़ाने का खतरा: दूध में कैलोरी और फैट होते हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो खाने के तुरंत बाद दूध पीने से बचें।

नींद पर असर: दूध में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड होता है, जो अच्छी नींद लाने में मदद करता है। लेकिन खाने के तुरंत बाद दूध पीने से शरीर में भारीपन महसूस होता है, जिससे असहजता हो सकती है।

लैक्टोज इन्टॉलरेंस वाले लोगों के लिए हानिकारक: अगर किसी को लैक्टोज इन्टॉलरेंस है, तो खाने के तुरंत बाद दूध पीना डायरिया, सूजन और पेट दर्द जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है।

डिनर के बाद दूध कब और कैसे पीना चाहिए?

अगर आप रात को दूध पीना चाहते हैं, तो सही तरीका अपनाएं, जैसे– सोने से 1–2 घंटे पहले दूध पिएं। हल्का गर्म दूध पीना फायदेमंद होता है। हल्दी, इलायची या शहद मिलाकर दूध पी सकते हैं। अगर वजन कम करना चाहते हैं, तो टोंड दूध पिएं।

आयुर्वेदिक उपाय बेहद फायदेमंद साबित कई स्वास्थ्य लाभ

क्या आप भी कब्ज, शुगर लेवल, गठिया और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से परेशान हैं? तो आपके लिए एक आयुर्वेदिक उपाय बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। सिर्फ 15 दिनों तक सुबह खाली पेट भीगे हुए मेथी के दानों का सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। भीगी हुई मेथी के दानों में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जिससे कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

भीगी हुई मेथी के सेवन से मिलने वाले जबरदस्त फायदे

पाचन तंत्र को बनाए मजबूत

भीगी हुई मेथी के दानों में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह कब्ज की समस्या को दूर करता है और आंतों की सफाई में मदद करता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से एसिडिटी, पेट में जलन और गैस की समस्या से राहत मिलती है। साथ ही, यह भोजन को अच्छी तरह से पचाने में मदद करता है, जिससे शरीर को पोषक तत्वों को अवशोषित करने में आसानी होती है। जो लोग बार–बार पेट दर्द, अपच या एसिड रिफ्लक्स से परेशान रहते हैं, उनके लिए यह बेहद फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड शुगर लेवल को करे नियंत्रित

डायबिटीज के मरीजों के लिए भीगी हुई मेथी किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, खासकर टाइप–2 डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद साबित हो सकता है। मेथी में मौजूद श्गैलेक्टोमैननश नामक फाइबर ब्लड में शुगर के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करता है, जिससे ग्लूकोज स्तर स्थिर बना रहता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद अमिनो एसिड इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लंबे समय तक फायदा मिलता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो मेथी का यह उपाय बेहद कारगर हो सकता है। भीगी हुई मेथी मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और शरीर में जमा फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करती है। इसमें मौजूद फाइबर भूख को नियंत्रित करता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है, जिससे अनावश्यक कैलोरी का सेवन कम होता है। यदि आप नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो यह आपके शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है और वजन कम करने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसे सुबह खाली पेट लेने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे बार–बार खाने की आदत पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है।

हृदय को बनाए स्वस्थ

नियमित रूप से भीगी हुई मेथी का सेवन करने से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (स्क्स्) की मात्रा कम हो सकती है, जिससे हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। यह रक्त प्रवाह को बेहतर बनाकर ध्मनियों में ब्लॉकेज बनने से रोकती है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम हो जाता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को फायदा मिलता है। अगर आप अपने हृदय को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो रोज सुबह भीगी हुई मेथी का सेवन करें।

गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत

मेथी में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण गठिया और जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद करते हैं। यह सूजन को कम करने और शरीर में लचीलापन बनाए रखने में सहायक होती है। जो लोग गठिया, ऑस्टियोआर्थराइटिस या रूमेटाइड आर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनके लिए यह घरेलू उपाय बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। मेथी के बीजों में कैल्शियम, आयरन और फॉस्फोरस होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और जोड़ों में चिकनाई बनाए रखते हैं। यदि आप रोज सुबह भीगी हुई मेथी खाते हैं, तो कुछ ही हफ्तों में आपके जोड़ों का दर्द और सूजन कम हो सकती है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

मेथी के दानों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं। यह स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाकर बालों की ग्रोथ को प्रमोट करता है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसके अलावा, यह बालों की जड़ों को मजबूत करके उन्हें टूटने से बचाता है। अगर आप झड़ते बालों से परेशान हैं, तो मेथी का पानी पीने के साथ–साथ इसका हेयर मास्क भी लगा सकते हैं।

त्वचा के लिए भी मेथी के बीज बेहद फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा से टॉक्सिन्स को निकालकर उसे साफ और चमकदार बनाते हैं। इसमें मौजूद एंटी–बैक्टीरियल गुण मुंहासों, झुर्रियों और पिग्मेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रहती है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

कैसे करें भीगी हुई मेथी का सेवन?

एक चम्मच मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगो दें। सुबह उठकर खाली पेट इन्हें चबा–चबाकर खाएं। ऊपर से वही पानी भी पी लें। लगातार 15 दिनों तक इस प्रक्रिया को दोहराने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। जरूरी सावधानी: यदि आप किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं या किसी दवा का सेवन कर रहे हैं, तो इस उपाय को अपनाने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। भीगी हुई मेथी के दाने सेहत के लिए अत्यधिक लाभकारी हैं और आयुर्वेद में इन्हें प्राकृतिक औषधि माना जाता है। यदि आप भी अपनी सेहत को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो इस आसान उपाय को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें।

आउटडोर एक्विटीज से क्यों भाग रहे हैं बच्चे ? लड़कियों के मुकाबले लड़के कम हैं एक्टिव

शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक स्तर पर मौतों की चौथी सबसे बड़ी वजह है। विभिन्न अध्ययनों में शारीरिक निष्क्रियता के दीर्घकालिक बीमारियों और अक्षमता से गहरे संबंध भी पाए गए हैं। एक हालिया अनुसंधान में आशंका जताई गई है कि अगर लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय नहीं होंगे, तो 2030 तक वैश्विक स्तर पर प्रमुख दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रसित लगभग 50 करोड़ नए मरीज सामने आ सकते हैं। टहलना, साइकिल चलाना या पसंदीदा खेल खेलना शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का सबसे आसान और कारगर तरीका है। नियमित रूप से इन गतिविधियों का अभ्यास करने से कई दीर्घकालिक बीमारियों से बचाव और निदान में मदद मिलती है।

रोजाना 60 मिनट तक करना चाहिए व्यायाम

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पांच से 17 साल तक के बच्चों और किशोरों को रोजाना औसतन 60 मिनट तक मध्यम या तीव्र स्तर का व्यायाम करने की सलाह देता है। व्यायाम में कम से कम तीन दिन तीव्र एअरोबिक गतिविधियों के अलावा हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली कसरत जरूर शामिल की जानी चाहिए। इसके अलावा, बच्चों और किशोरों को स्क्रीन (टेलीविजन, कंप्यूटर, स्मार्टफोन) पर दिनभर में दो घंटे से अधिक समय गुजारने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। इन उपायों का मकसद न सिर्फ बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता में सुधार लाना भी है। कोविड–19 महामारी की दस्तक के पहले से ही बच्चों और किशोरों की शारीरिक सक्रियता का स्तर डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित मानक से कम था। वर्ष 2016 में दुनियाभर में 11 से 17 साल के 81 फीसदी बच्चे शारीरिक रूप से असक्रिय माने जाते थे। लड़कियां, लड़कों के मुकाबले ज्यादा असक्रिय थीं।

महामारी के बाद बिगड़े हालात

महामारी ने स्थितियां और बिगाड़ दी हैं। बच्चों और किशोरों में शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता बन गई है। इसे अब वैश्विक कार्य योजनाओं में शामिल किया गया है। 'एक्टिव हेल्दी किड्स ग्लोबल एलायंसश ने हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशित किया है, जो बच्चों और किशोरों में शारीरिक सक्रियता के स्तर का व्यापक मूल्यांकन करता है। अक्टूबर 2022 में प्रकाशित इस शोध में कोविड–19 से पहले और उसके प्रकोप के दौरान जुटाया गया डेटा शामिल किया गया है। इसमें पाया गया है कि बच्चों और किशोरों में शारीरिक सक्रियता के स्तर में कोई सुधार नहीं आया है। वैश्विक स्तर पर लगभग एक–तिहाई बच्चे और किशोर ही पर्याप्त शारीरिक गतिविधियां करते हैं। जबकि, एक–तिहाई से थोड़े अधिक बच्चे और किशोर ही बेहतर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनुशंसित स्क्रीन टाइम का पालन करते हैं।

कोविड का असर

अध्ययन में शामिल ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात से सहमत थे कि बचपन की शारीरिक निष्क्रियता एक सतत सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है और कोविड–19 महामारी ने इसे और भी बदतर बना दिया है। 90 फीसदी से ज्यादा विशेषज्ञों ने कहा कि कोविड–19 का बच्चों की सक्रियता, खेल–कूद और शारीरिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। महामारी की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान स्कूल और पार्क बंद कर दिए गए, जिससे बच्चों की शारीरिक सक्रियता प्रभावित हुई। एक अध्ययन से पता चला कि महामारी के दौरान बच्चों की मध्यम से तीव्र गति की शारीरिक सक्रियता में रोजाना 17 मिनट की कमी आई। यह रोजाना के लिए निर्धारिक मानक (60 मिनट) का लगभग एक–तिहाई समय है। एक अन्य अध्ययन में देखा गया कि कोविड–19 संबंधी प्रतिबंध लागू किए जाने के 30 दिन बाद लोगों द्वारा रोजाना चले जाने वाले कदमों में औसतन 27.3 प्रतिशत की कमी आ गई। यह अध्ययन 187 देशों में किया गया था।

कहां किया गया अध्ययन

हमारे अध्ययन में चार अफ्रीकी देश–बोत्सवाना, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे शामिल थे। इसमें बच्चों और किशोरों को 'ए से लेकर 'एफ तक ग्रेड दिए गए। 'ए ग्रेड का मतलब था कि 94 से 100 प्रतिशत बच्चे और किशोर अनुशंसित स्तर पर खरे उतरते थे। वहीं, 'एफ ग्रेड का अर्थ था कि 20 फीसदी से भी कम बच्चे और किशोर निर्धारित मानक को पूरा करते हैं। चारों अफ्रीकी देशों के बच्चे और किशोर दुनिया के बाकी हिस्सों के बच्चों और किशोरों के मुकाबले शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय थे। उन्हें 'सी ग्रेड हासिल हुआ, जिसका मतलब है कि 47 से 53 फीसदी बच्चे और किशोर अनुशंसित मानक पर खरे उतरते हैं। वहीं, बाकी दुनिया को 'डी ग्रेड दिया गया, जिसका अर्थ है कि 27–33 प्रतिशत बच्चे और किशोर ही निर्धारित मानक को पूरा करते हैं। इन चार अफ्रीकी देशों के अधिक बच्चे सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते थे (बी– ग्रेड, 60 से 66 फीसदी), उनमें निष्क्रियता का स्तर कम था (सी– ग्रेड, 40 से 46 प्रतिशत) और वे शारीरिक रूप से ज्यादा फिट थे (सी ग्रेड, 54 से 59 फीसदी), जबकि शेष दुनिया के बच्चों और किशोरों को इन मामलों में क्रमशरू सी–, डी और सी– ग्रेड हासिल था।

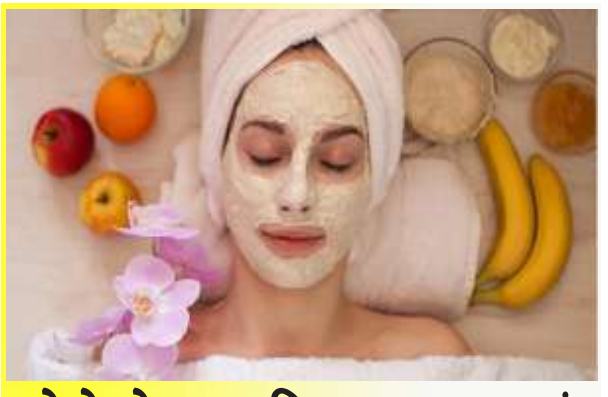

केले के साथ मिलाकर लगाएं ये चीजें, त्वचा होगी डीप क्लीन

हम सभी चाहते हैं कि हमारी त्वचा हमेशा हेल्दी और चमकती हुई नजर आए और इसके लिए हम आए दिन अपनी स्किन केयर रुटीन की तरह–तरह के बदलाव करना पसंद करते हैं। वहीं चेहरे की त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए आपको कई तरह के प्रोडक्ट्स मार्केट में मिल जाएंगे, लेकिन इन प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी त्वचा को बेजान बना सकते हैं। इसलिए आज हम आपको बताने वाले हैं एक ऐसे फल के बारे में जो बेहद आम, लेकिन आपकी त्वचा के लिए है बहुत ज्यादा फायदेमंद। हम बात कर रहे हैं केले की। बता दें कि केले को आप अपनी त्वचा पर कई तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप भी जानना चाहती हैं तो इस स्टोरी को आखिर तक जरुर पढ़ें....

केले के फायदे

केले का इस्तेमाल स्किन को टाइट करने के लिए किया जाता है। चेहरे की त्वचा को इलास्टिसिटी देने के लिए केला बेहद मददगार साबित होता है। साथ ही इसमें विटामिन–सी भरपूर मात्रा में मौजूद होती है, जो झुर्रियों को कम करने में मदद करती हैं। केले में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है।

ऐसे करें डीप क्लीन

चेहरे की त्वचा को साफ करने के लिए आप केले से बनी स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि स्क्रब को बनाने के लिए आप केले में जरुरत अनुसार चीनी और शहद मिला सकती हैं। इसके अलावा आप चाहे तो केले में मैश किए हुए ओट्स और शहद को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकती हैं।

फेस पैक के लिए

केले से फेस पैक बनाने के लिए आप इसमें कई नेचुरल इन्ग्रेडिएन्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि केले के साथ आप कई फ्रूट्स जैसे पपीता और अनार को मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। इसके अलावा स्किन को लचीला और चमकदार बनाने के लिए आप केले में शहद और विटामिन–ई की कैप्सूल को मिला सकती हैं। साथ ही अगर आप त्वचा को ग्लोइंग बनाने के साथ–साथ मॉइस्चराइज करना चाहती हैं तो केले में दूध मिलाकर लगा सकती हैं।

संक्षिप्त

'बाजार तय करता है रुपये की कीमत, रोजाना उतार-चढ़ाव से चिंतित नहीं', रुपये की कीमत गिरने पर बोले गर्वनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बाजार की ताकतें तय करती हैं। केंद्रीय बैंक रोजाना होने वाले उतार–चढ़ाव को लेकर चिंतित नहीं है।

रुपये की कीमत को लेकर क्या है RBI का नजरिया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक के बोर्ड की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई रुपये की कीमत को मध्यम और लंबी अवधि के नजरिए से देखता है।

रुपये की कीमत गिरने पर बोले आरबीआई गवर्नर

रुपये की कीमत गिरने से महंगाई पर असर को लेकर गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अगर रुपया 5: तक गिरता है, तो घरेलू महंगाई दर पर 30–35 बेसिस प्वाइंट (बीपीएस) का असर पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष के लिए विकास और महंगाई के अनुमान तय करते समय मौजूदा रुपये–डॉलर विनिमय दर को ध्यान में रखा है। इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई आयकर नीति को मंजूरी दे दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसे अगले सप्ताह लोकसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद यह प्रस्ताव संसद की स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा।

पाकिस्तान ने चीन से 3.4 अरब डॉलर के कर्ज का पुनर्निर्धारण करने का अनुरोध किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा चिह्नित विदेशी वित्तपोषण अंतर को पाटने के लिए चीन से 3.4 अरब डॉलर के ऋण को दो साल के लिए पुनर्निर्धारित करने का अनुरोध किया है। पिछले पांच महीनों में इस्लामाबाद ने दूसरी बार बीजिंग से अपने एक्जिम बैंक द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऋणों को पुनर्निर्धारित करने का अनुरोध किया है। सरकारी सूत्रों के हवाले से समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने कहा है कि उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने इसी सप्ताह बीजिंग की यात्रा के दौरान औपचारिक अनुरोध किया। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने चीन के निर्यात–आयात (एक्जिम) बैंक से अक्टूबर, 2024 से सितंबर, 2027 तक के लिए अपने ऋणों के पुनर्निर्धारण पर विचार करने का अनुरोध किया है। एक्ज़िम बैंक से प्राप्त आधिकारिक और गारंटीकृत ऋण को चुकाने के लिए दो साल का विस्तार मांगा गया। पाकिस्तान ब्याज का भुगतान करता रहेगा। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान को तीन वर्ष की कार्यक्रम अवधि के लिए पांच अरब डॉलर के बाहरी वित्तपोषण अंतर को पूरा करने के लिए वित्तपोषण स्रोतों की पहचान करनी थी। उन्होंने कहा कि चीनी अधिकारी सकारात्मक हैं और उम्मीद है कि बीजिंग पाकिस्तान की बाह्य वित्त पोषण संबंधी समस्याओं को कम करने के अनुरोध को स्वीकार कर लेगा। इससे पहले, पिछले वर्ष सितंबर में वित्त मंत्री ने एक्जिम बैंक को पत्र लिखकर पुनर्निर्धारण का अनुरोध किया था। बृहस्पतिवार को चीन–पाकिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, पाकिस्तानी पक्ष ने अपनी राजकोषीय और वित्तीय स्थिरता के लिए चीन के बहुमूल्य समर्थन के लिए अपनी प्रशंसा दोहराई। यह बयान राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बीजिंग की राजकीय यात्रा के बाद जारी किया गया।

रेपो दर में कटौती से विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग, मकान से लेकर वाहनों की बिक्री भी बढ़ेगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। रेपो दर में पांच साल बाद पहली कटौती अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में मांग बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगी।घ्उद्योग संगठन एसोचौम के चेयरमैन संजय नायर ने कहा, आरबीआई के इस फैसले से आवास, वाहन और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी। नायर ने कहा, अगर महंगाई दर में गिरावट का रुख बरकरार रहता है, तो अगली कुछ तिमाहियों में दरों में और कटौती की उम्मीद कर सकते हैं। रियल एस्टेट संगठन क्रेडाई ने कहा, 0.25 फीसदी की कटौती का सीमित असर दिखेगा। इसने आवास मांग में मजबूत प्रोत्साहन के लिए और कटौती का मामला बनाया है। रेपो दर को कम करने का आरबीआई का निर्णय बजट में हाल की घोषणाओं का पूरक है, जिसका उद्देश्य खर्च और और आर्थिक विकास को गति देना है। वहीं, नरेडको ने कहा, होम लोन पर ब्याज दरें कम होंगी, जिससे मकानों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। हमें बिक्री में वृद्धि, नकदी में सुधार और बिना बिके मकानों की संख्या में कमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, डेवलपर्स नई परियोजनाएं लॉन्च करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा, यह कटौती वित्त मंत्री की बजट में की गई 12.75 लाख रुपये तक की राशि पर कर नहीं लगाने की घोषणा के साथ पूरी तरह मेल खाती है।घ्इससे उपभोक्ताओं की खर्च योग्य आय में वृद्धि होगी। ऑटो लोन के और अधिक किफायती होने के साथ हम मूल्य संवेदनशील दोपहिया एवं एंट्री लेवल कारों की मांग में मजबूती आने की उम्मीद है।घ्ह्यूंडईघ्मोटर इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीओओ तरुण गर्ग ने कहा, ब्याज दरों में कटौती की घोषणा आगे चलकर समग्र मांग भावना के लिए अच्छा संकेत है। इससे ग्रामीण बाजारों में भी वाहनों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी एवं सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, अगले वित्त वर्ष में महंगाई दर में और कमी आने की उम्मीद है। जीडीपी में 6.7 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान है। रेपो दर में कटौती से अर्थव्यवस्था, निवेश और उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा, ब्याज दर घटाने के साथ सहजता का दौर शुरू करने का निर्णय समयानुकूल, प्रासंगिक और अच्छी तरह से स्पष्ट किया गया है।

रोहित को आलोचकों को चुप करना होगा, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अश्विन की भारतीय कप्तान को सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि खराब लय में चल रहे रोहित शर्मा के लिए यह मुश्किल समय है और भारतीय कप्तान को आगामी चौंपियंस ट्रॉफी से पहले अपने बल्ले से दमदार प्रदर्शन कर आलोचकों को चुप कराने की कोशिश करनी होगी। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर का कहना है कि रोहित शर्मा अब फॉर्म को लेकर बचाव की स्थिति में नहीं हैं।

रोहित के नजरिए से निराशाजनक

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम टेस्ट से खुद को खराब लय के कारण टीम से बाहर कर लिया था। एक महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर वनडे में सिर्फ दो रन बनाए। अश्विन ने अपने यू–ट्यूब चौनल पर कहा, श्यह आसान नहीं है। अगर आप इसे रोहित के नजरिए से देखें तो जाहिर तौर पर यह उनके लिए निराशाजनक है। वह सीरीज पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। वह समझते है कि उन्होंने इस प्रारूप में अच्छा किया है और वह इसे अच्छा चाहेंगे।

लोग सवाल तो पूछेंगे ही

इस पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, लेकिन लोग सवाल तो पूछेंगे ही। क्रिकेट देखने वाले तो जाहिर तौर पर पूछेंगे ही। यह एक मुश्किल समय है। आप इन सवालों को रोक नहीं सकते। कब तक रुकेंगे? जब तक वह प्रदर्शन नहीं करेंगे यह जारी रहेगा। रोहित ने सभी प्रारूपों में अपनी पिछली 16 पारियों में सिर्फ 166 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मैं समझता हूं कि रोहित किस दौर से गुजर रहे हैं। यह आसान नहीं है। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और इस सीरीज में शतक बनाएं।

अश्विन ने की जडेजा की तारीफ

भारत ने गुरुवार को नागपुर में इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच चार विकेट से जीत लिया। दूसरा वनडे रविवार को कटक में खेला जाएगा। अश्विन ने इस बीच रवींद्र जडेजा की जमकर तारीफ की और जोर देकर कहा कि यह ऑलराउंडर उनसे ज्यादा प्रतिभाशाली है। जडेजा ने पहले वनडे अपने नौ ओवरों में 26 रन देकर तीन विकेट लेने के बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

जडेजा खेल के हर पहलू में प्रासंगिक

उन्होंने कहा, हमारा मीडिया जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी सराहना करने में विफल रहता है। जब भी हम हारते हैं तो हर कोई खलनायक बन जाता है। उन्होंने जो रूट को आउट किया। जडेजा खेल के हर पहलू में प्रासंगिक बने रहते हैं। वह अच्छे गेंदबाज हैं और दबाव में बल्लेबाजी करते हैं। साथ ही कमाल के फील्डर भी हैं। जडेजा मुझ से कहीं अधिक प्रभावशाली हैं। फील्डिंग के दौरान वह इस उम्र में भी पूरे मैदान के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ सकते हैं।

स्टीव स्मिथ ने रचा कीर्तिमान, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये कमाल करने वाले एकलौते खिलाड़ी बने

स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में गर्दा उड़ा दिया है। बीजीटी में टीम इंडिया की मगर तोड़ने के बाद ये धाकड़ खिलाड़ी इस समय श्रीलंका दौरे पर टीम की कमान संभाले हुआ है। यहां भी स्मिथ का ताबड़तोड़ प्रदर्शन जारी है। गाले में खेल जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान स्टीव स्मिथ ने नाम सिर्फ शतक जड़ा बल्कि ऐलेक्स कैरी के साथ डबल सेंचुरी पार्टनरशिप कर टीम को मजबूत स्थिति में भी पहुंचाया। भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में फॉर्म हासिल करने वाले स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में गर्दा उड़ा दिया है। बीजीटी में टीम इंडिया की मगर तोड़ने के बाद ये धाकड़ खिलाड़ी इस समय श्रीलंका दौरे पर टीम की कमान संभाले हुआ है। यहां भी स्मिथ का ताबड़तोड़ प्रदर्शन जारी है। गाले में खेल जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान स्टीव स्मिथ ने नाम सिर्फ शतक जड़ा बल्कि ऐलेक्स कैरी के साथ डबल सेंचुरी पार्टनरशिप कर टीम को मजबूत स्थिति में भी पहुंचाया। शायद नहीं, तो बता दें ऐलेक्स कैरी ऐसे 11वें खिलाड़ी बने हैं जिसके साथ स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में डबल सेंचुरी पार्टनरशिप की है और वह इतने खिलाड़ियों के साथ दोहरी शतकीय साझेदारी करने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। एक नजर स्टीव स्मिथ के साथ डबल सेंचुरी पार्टनरशिप करने वाले खिलाड़ियों पर डालें तो इस लिस्ट में सबसे पहला नाम पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का है, इस पूर्व खिलाड़ी के साथ स्मिथ ने 2013 में पहली दोहरी शतकीय साझेदारी की थी।

दूसरी बार पिता बने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, पत्नी बेकी ने दिया बेटी को जन्म

पैट कमिंस के घर दूसरी बार किलकारियां गूंजी है। उनकी पत्नी रेबेका ने नन्ही परी को जन्म दिया है। कपल ने अपनी बेटी का नाम एडी रखा है। वहीं इस कपल ने सोशल मीडिया के जरिए ये जानाकारी दी है। बेकी ने अपनी नवजात बेटी के साथ एक तस्वीर इस दौरान शेयर करते हुए लिखा कि, वह आ गई है। हमारी खूबसूरत बच्ची एडी।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान पैट कमिंस के घर दूसरी बार किलकारियां गूंजी है। उनकी पत्नी रेबेका ने नन्ही परी को जन्म दिया है। कपल ने अपनी बेटी का नाम एडी रखा है। वहीं इस कपल ने सोशल मीडिया के जरिए ये जानाकारी दी है। बेकी ने अपनी नवजात बेटी के साथ एक तस्वीर इस दौरान शेयर करते हुए लिखा कि, वह आ गई है। हमारी खूबसूरत बच्ची एडी... हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते है कि हम इस समय कितने खुश और प्यास से भरे हुए हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलियाई टीम इस समय श्रीलंका दौरे पर हैं और कप्तान पैट कमिंस पैटरनिटी लीव पर हैं। वह क्रिकेट के साथ–साथ अपने परिवार को भी प्राथमिकताा देना चाहते हैं। कमिंस अपने पहले बच्चे एल्बी के जन्म के दौरान भी अपनी पत्नी के साथ नहीं थे तो इस बार उन्होंने इस खास पल के दौरान पूरा समय अपनी पत्नी के साथ गुजारने की इच्छा जताई थी। कमिंस ने अक्टूबर में कहा था कि, पिछली बार मैं एक बड़ा हिस्सा चूक गया था और मैं इस बार शुरुआती समय में घर पर थोड़ा और समय बिताने के तरीके पर काम करना चाहता हूं।

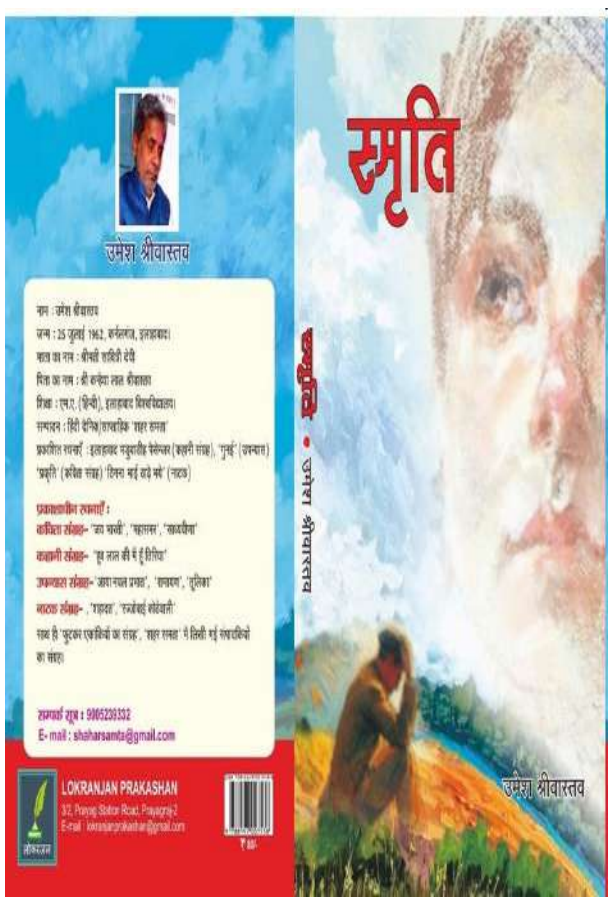

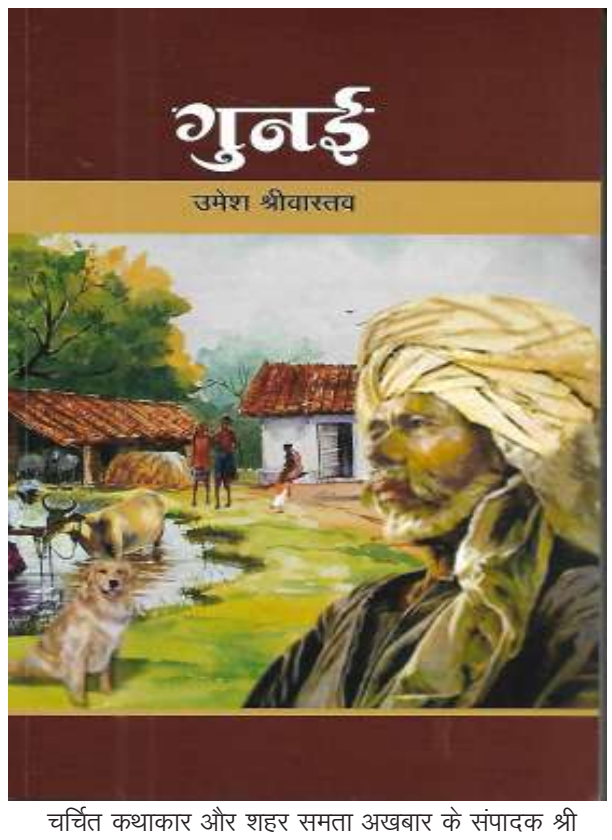

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

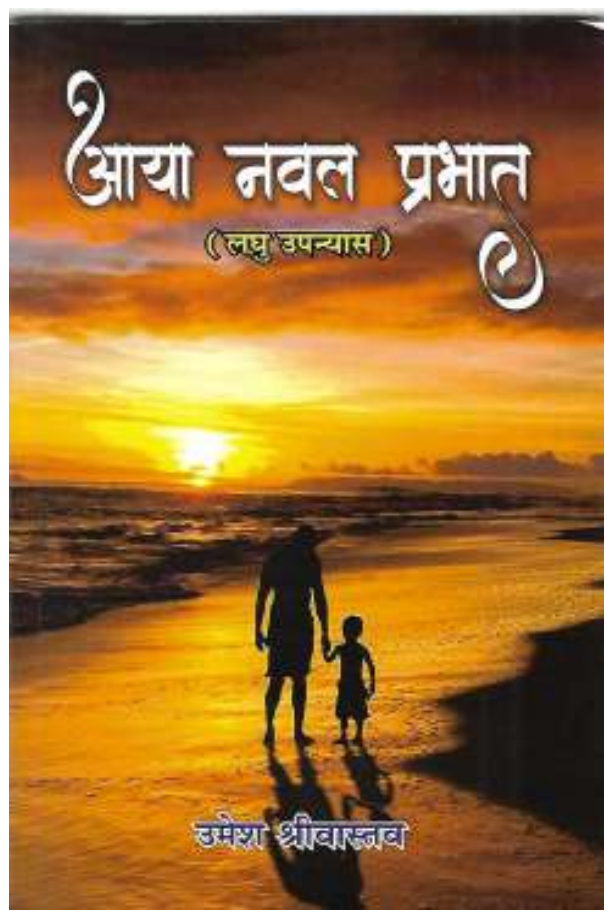

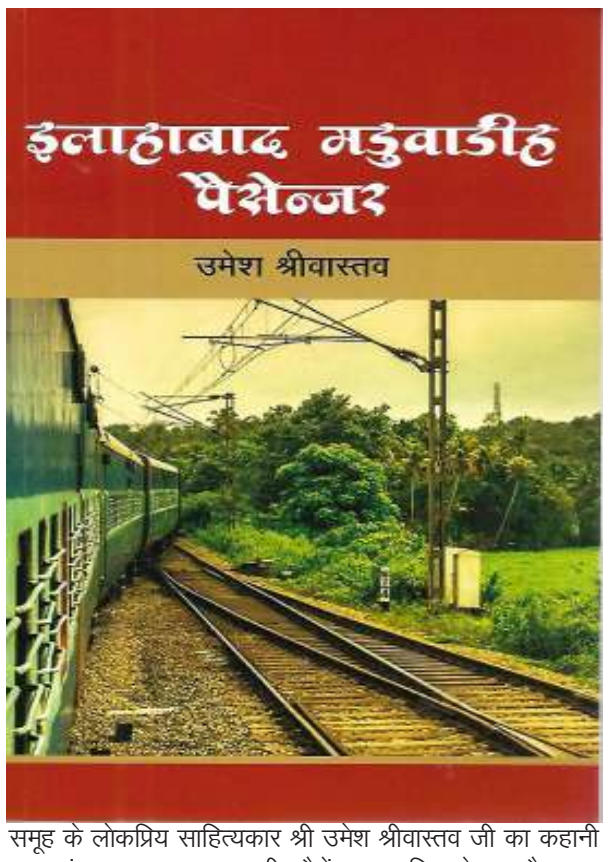

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

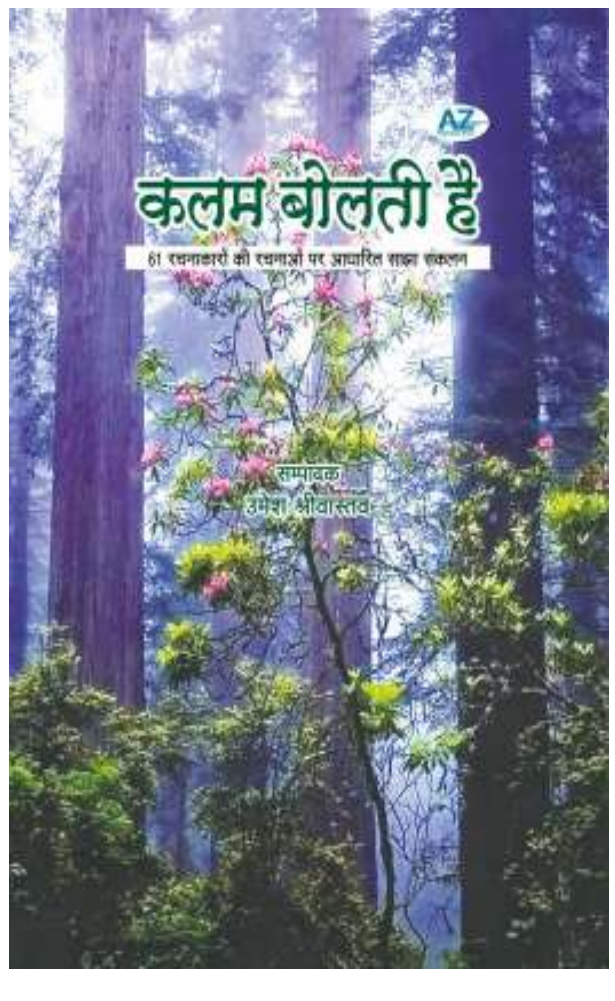

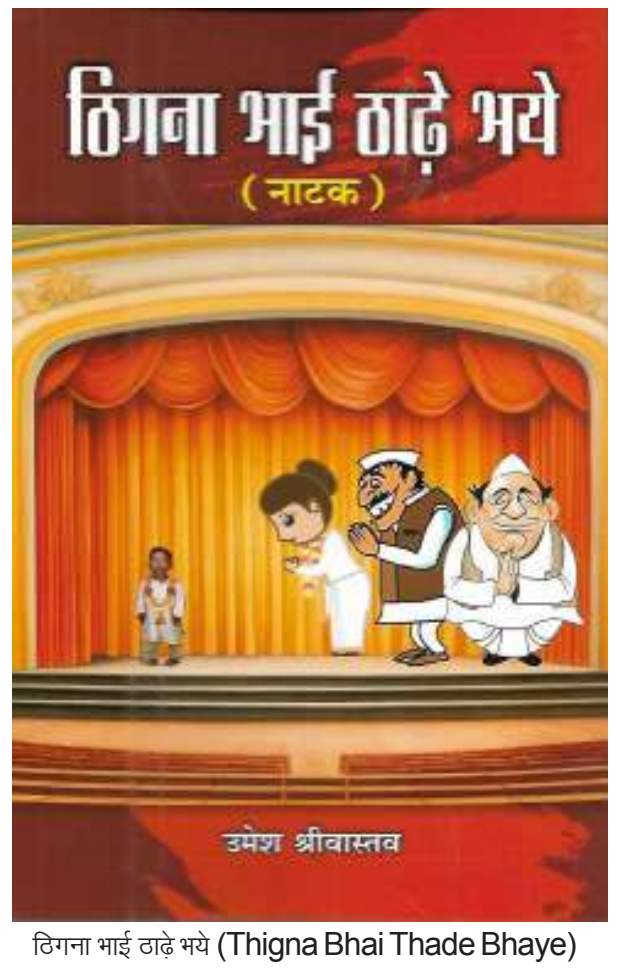

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप की डिपोर्टेशन लिस्ट में आ अगला नाम प्रिंस हैरी का आया, खोला पुराना मामला

अमेरिका में ट्रंप सरकार के आने के बाद ताबड़तोड़ फैसलों का दौर जारी हो गया है। ट्रंप की तरफ से एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए जा रहे हैं। वहीं इमीग्रेशन को भी ट्रंप का रवैया बेहद ही सख्त नजर आ रहा है। अवैध रूस से अमेरिका में प्रवेश करने वालों को ट्रंप हथकड़ियां, बेड़ियां लगाकर अमेरिकी सेना के विमान में भरकर उनके देश छोड़कर आ रहे हैं।

लेकिन अब ट्रंप की डिपोर्टेशन लिस्ट में प्रिंस हैरी का नाम शामिल होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की डिपोटेशन लिस्ट में अब ब्रिटिश प्रिंस हैरी का नाम जुड़ सकता है। ट्रम्प ने पांच महीने पहले बंद हो चुके हैरी के वीसा केस को खोलने के आदेश दिए हैं। हैरी बवीस पाने में गलत सूचना देने के दोषी पाए गए तो ट्रम्प उन्हें डिपोर्ट कर सकते हैं। ऐसा हुआ तो हेरी ट्रम्प द्वारा इस कार्यकाल में डिपोर्ट में डिपोर्ट होने वाले पहले इंडीविजुअल होंगे। ट्रम्प कह चुके हैं कि मेरी और उनकी पत्नी मेगन मार्कल को रियायत नहीं देंगे। मेगन अमेरिकी नागरिक हैं. हैरी उनके साथ अमेरिका में ही रहते हैं। बता दें कि ये मामला हैरी की आत्मकथा श्स्पेयरश से जुड़ा है जिसमें उन्होंने किशोरावस्था में उग्स लेना कबूला था। हैरी ने अमेरिका का बीसा लेते समय ये बात छिपाई थी। इसे मुद्दा बनाते हुए दक्षिणपंथी संगठन हेरिटेज फाउंडेशन ने कैस खोलने की याचिका दायर की थी।

हैरी की आव्रजन फ़ाइल सार्वजनिक की जाएगी?

एक संघीय न्यायाधीश ने कहा कि प्रिंस हैरी की आव्रजन फ़ाइल को जनता के लिए जारी करने पर विचार किया जाएगा। इससे यह उजागर हो सकता है कि उसे अमेरिकी वीजा कैसे मिला और उसके निर्वासन का खतरा बढ़ सकता है। वाशिंगटन डीसी जिला न्यायालय के न्यायाधीश कार्ल जे. निकोल्स ने हेरिटेज फाउंडेशन, जिसने कुख्यात प्रोजेक्ट 2025 बनाया था, ने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग पर मुकदमा दायर करने के बाद इस मामले पर फैसला सुनाया।

प्रिंस हैरी के ख़िलाफ़ मुक़दमा क्यों दायर किया गया?

अमेरिकी जिला न्यायाधीश कार्ल निकोल्स के समक्ष मामला उन परिस्थितियों पर केंद्रित है जिनके तहत हैरी – ससेक्स के ड्यूक और किंग चार्ल्स प्प के बेटे – ने संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश किया जब वह और उनकी पत्नी मेघन मार्कल 2020 में दक्षिणी कैलिफोर्निया चले गए। अपने संस्मरण स्पेयर में मारिजुआना, कोकीन और साइकेडेलिक मशरूम का उपयोग करने की उनकी स्वीकारोक्ति के बाद, रूढ़िवादी थिंक टैंक हेरिटेज फाउंडेशन ने एक मुकदमा दायर किया जिसमें तर्क दिया गया कि अमेरिकी सरकार को ड्यूक के वीजा से संबंधित रिकॉर्ड का खुलासा करना चाहिए। यह निर्धारित करने के लिए आवेदन कि क्या उसके नशीली दवाओं के उपयोग का खुलासा किया गया था।

हमास ने संघर्ष विराम के तहत रिहा किए जाने वाले तीन और इजराइली बंधकों के नाम बताए

फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने संघर्ष विराम समझौत के तहत रिहा किए जाने वाले तीन और इजराइली बंधकों के नाम जारी कर दिए हैं। दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए तीन इजराइली नागरिकों को शनिवार को रिहा किया जाना है। संघर्ष विराम प्रभावी होने के बाद यह पांचवी बार है जब इजराइल की जेल में बंद फलस्तीनियों को रिहा किया जाएगा बदले में हमास इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। एक इजराइली अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि जिन बंधकों को हमास द्वारा रिहा किया जाना है उनके नाम एली शरबी (52), ओहद बेन अमी (56) तथा ओर लेवी (34) हैं। इनके बदले में इजराइल 183 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा।

नस्लीय पोस्ट के लिए इस्तीफा देने वाले कर्मचारी को फिर से नियुक्त करेंगे मस्क, उपराष्ट्रपति ने किया समर्थन

वॉशिंगटन। नस्लीय पोस्ट करने के आरोप में सरकारी दक्षता विभाग से इस्तीफा देने वाले कर्मी को एलन मस्क ने वापस नौकरी पर रखने का एलान किया है। मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग के कर्मचारी मार्को एलेज ने एक दिन पहले ही इस्तीफा दे दिया था। दरअसल अमेरिकी मीडिया में छपी रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मार्को एलेज ने बीते साल सोशल मीडिया पर कुछ नस्लीय पोस्ट किए थे। हालांकि बाद में एलेज ने उन पोस्ट को डिलीट कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के बाद मार्को एलेज को लेकर विवाद हुआ तो एलेज ने सरकारी दक्षता विभाग से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एलेज का समर्थन किया और उन्हें फिर से काम पर रखने की बात कही थी। जेडी वेंस के समर्थन के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मार्को एलेज का समर्थन किया तो एलन मस्क ने भी अब पोस्ट कर एलेज को फिर से नौकरी पर रखने का एलान कर दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

खाने को नहीं दाने, शहबाज चले चांद पर नया पाकिस्तान बसाने, वहां की जनता भी भड़क उठी– बेवकूफ बनाना बंद करो!

दाने दाने को मोहताज पाकिस्तान वैसे तो अपने मुल्के को चलाने के लिए कभी आईएमएफ तो कभी वर्ल्ड बैंक के पास कटोरा लेकर मदद की भीख लेने चला जाता है। अगर उधर से कुछ खास मदद न मिली तो अपने मुल्क के कई जगहों को चीन के पास गिरवी रखने और उसके एवज में मोटा कर्ज लेने में लग जाता है। आपने वो कहावत तो खूब सुनी होगी कि घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने अब इसी को पाकिस्तान सच साबित करने में लगा है। फूटा कटोरा लेकर दुनिया से भीख मांगने वाला पाकिस्तान चांद पर पहुंचने का सपना देख रहा है।शहबाज चांद पर नया पाकिस्तान बसाने का ख्वाब देख रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान की जनता को शहबाज के इस मून मिशन पर भरोसा नहीं है। खबर ये है कि पाकिस्तान में चीन की मदद से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर भेजने का ऐलान किया है। पाकिस्तान और चीन ने मिलकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर भेजने का ऐलान किया है। इस रोवर को पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुब्रार्को बना रही है। ये दावा वही कंगाल पाकिस्तान कर रहा है जिसकी जेब में मुल्क का राशन पानी मंगवाने के लिए भी पूरे पैसे नहीं हैं। इसलिए पाकिस्तानी आवाम भी शहबाज का मजाक बना रही है। चांद के सपने देख रहे शहबाज को पाकिस्तानी आवाम कोस रही है। पाकिस्तान में लोगों को मून मिशन नहीं बल्कि रोटी और बिरयानी चाहिए। शहबाज ने हवा हवाई सपना दिखाकर चांद पर जाने की बात की। लेकिन पाकिस्तानियों को अपने पीएम के दावे पर जरा भी भरोसा नहीं है। पाकिस्तान के दावे के मुताबिक शहबाज ने चंद्रमा पर रोवर भेजने के लिए चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ समझौता किया है। इस समझौते पर पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ

अली जरदारी ने दस्तखत किए हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस समझौते के तहत, पाकिस्तान का पहला स्वदेशी रूप से विकसित चंद्र रोवर चीन के चांग–8 मिशन का हिस्सा होगा, जो 2028 में लॉन्च होने वाला है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान अपने रोवर को स्वतंत्र रूप से चंद्रमा पर नहीं भेजेगा – इसके बजाय, चीन इसे वहां पहुंचाएगा।

क्या है चीन का चांगश्ई–8 मिशन?

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी, सीएनएसए (चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने ऑन–साइट वैज्ञानिक अनुसंधान करने, नई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का सत्यापन करने और चंद्र सतह का मानचित्रण करने के लक्ष्य के साथ चांग'ई–8 मिशन को डिजाइन किया है। इस मिशन में पाकिस्तान की भागीदारी को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (ILRS) पहल में इसके योगदान के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जाता है। हालाँकि पाकिस्तान ने भारत से पहले अपनी अंतरिक्ष एजेंसी (SUPARCO) की स्थापना की, लेकिन उसने अभी तक अंतरिक्ष अन्वेषण में कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल नहीं की है।

चांगश्ई–8 मिशन में पाकिस्तान की भूमिका

पाकिस्तान का सुपारको चंद्र रोवर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तैनात किया जाएगा, जो अपने अद्वितीय वातावरण के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भविष्य के कई अंतरिक्ष मिशनों की भी योजना बनाई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी वैज्ञानिकों ने एक उन्नत पेलोड विकसित किया है जिसे रोवर के जरिए चंद्रमा पर भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त, मिशन चीनी और यूरोपीय वैज्ञानिकों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से डिजाइन किया गया एक वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा। पाकिस्तानी वैज्ञानिकों ने रोवर विकसित करने के लिए चीनी विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम किया, जो चंद्रमा की सतह का गहन विश्लेषण करेगा।

कनाडा को 51वां राज्य बनाने की बात गंभीर मुद्दा, ट्रंप से निपटने के लिए ट्रूडो ने की बड़ी बैठक

ट्रंप ने सभी कनाडाई आयातों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने बार–बार सुझाव दिया है कि कनाडा बेहतर होगा यदि वह 51वां अमेरिकी राज्य बनने के लिए सहमत हो जाए। स्टार ने ट्रूडो के हवाले से कहा कि वे हमारे संसाधनों के बारे में, हमारे पास जो कुछ भी है उसके बारे में बहुत जागरूक हैं और वे उनसे लाभ उठाना चाहते हैं। लेकिन ट्रम्प के मन में यह है कि ऐसा करने का सबसे आसान तरीका हमारे देश को अपने में समाहित करना है। और यह एक वास्तविक चीज़ है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि देश को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ लगाने की धमकियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से सोचना चाहिए। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कनाडा को अवशोषित करने की बात वास्तविक बात है और देश के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी है। ट्रूडो ने व्यापार और श्रमिक नेताओं के एक बंद कमरे में आयोजित सत्र के दौरान यह टिप्पणी की कि कनाडाई आयात पर टैरिफ की ट्रम्प की धमकियों का सबसे अच्छा जवाब कैसे दिया जाए। उनकी टिप्पणियों को सबसे पहले टोरंटो स्टार ने रिपोर्ट किया था, जिसमें कहा गया था कि उन्हें गलती से लाउडस्पीकर द्वारा प्रसारित कर दिया गया था। बता दें कि ट्रंप ने सभी कनाडाई आयातों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने बार–बार सुझाव दिया है कि कनाडा बेहतर होगा यदि वह 51वां अमेरिकी राज्य बनने के लिए सहमत हो जाए। स्टार ने ट्रूडो के हवाले से कहा कि वे हमारे संसाधनों के बारे में, हमारे पास जो कुछ भी है उसके बारे में बहुत जागरूक हैं और वे उनसे लाभ उठाना चाहते हैं। लेकिन ट्रम्प के मन में यह है कि ऐसा करने का सबसे आसान तरीका हमारे देश को अपने में समाहित करना है। और यह एक वास्तविक चीज़ है। सरकारी सूत्र ने पुष्टि की कि स्टार की टिप्पणी सटीक थी। कनाडा, अमेरिकी उपायों को रोकने की कोशिश कर रहा है, उसने जोर देकर कहा है कि वह एक विश्वसनीय भागीदार और तेल, खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। ट्रूडो ने पहले कहा था कि कनाडा को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दीर्घकालिक राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, भले ही वह ट्रम्प के टैरिफ के खतरे को टालने में कामयाब हो जाए। ट्रम्प ने कहा कि वह सीमा और अपराध प्रवर्तन पर रियायतों के बदले में कनाडाई निर्यात पर टैरिफ लगाने में 30 दिनों की देरी करेंगे, विशेष रूप से फेंटेनाइल तस्करी पर नकेल कसेंगे।

अमेरिका के अलास्का में लापता विमान हादसे का शिकार, सवार सभी 10 यात्रियों की मौत

पश्चिमी अलास्का में एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसका मलबा बर्फ से ढके समुद्र में मिला। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूएस कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता कैमरून स्नेल ने कहा कि चालक दल विमान को पूरी तरह से खोलने में सक्षम नहीं थे। 'नेशनल वेदर सर्विस' के अनुसार उस समय हल्का हिमपात हो रहा था और कोहरा छाया हुआ था, साथ ही तापमान शून्य से नीचे 8.3 डिग्री सेल्सियस था। अलास्का के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, बेरिंग एयर का सिंगल–इंजन टर्बोप्रॉप विमान गुरुवार दोपहर को नौ यात्रियों और एक पायलट के साथ अनलाकलीट से यात्रा कर रहा था। बेरिंग एयर के संचालन निदेशक डेविड ओल्सन ने कहा है कि सेसना कारवां दोपहर 2. 37 बजे अनलाकलीट से रवाना हुआ और एक घंटे से भी कम समय के बाद अधिकारियों का उससे संपर्क टूट गया। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, 17 डिग्री (शून्य से 8.3 सेल्सियस) तापमान के साथ हल्की बर्फबारी और कोहरा था। एक घंटे से भी कम समय के बाद अधिकारियों का विमान से संपर्क टूट गया। तटरक्षक बल ने कहा कि विमान नोम से लगभग 48 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में लापता हो गया। तटरक्षक बल के अनुसार, विमान तट से 19 किलोमीटर दूर था। विमान के बारे में एयरलाइन के विवरण के अनुसार, यह अपनी अधिकतम यात्री क्षमता पर परिचालन कर रहा था। तटरक्षक लेफ्टिनेंट कमांडर बेंजामिन मैकइंटायर–कोबल ने कहा कि यूएस सिविल एयर पेट्रोल द्वारा प्रदान किए गए रडार फोरेंसिक डेटा से संकेत मिलता है कि लगभग 3.18 बजे, विमान में किसी प्रकार की घटना हुई जिसके कारण उन्हें ऊंचाई में तेजी से कमी और गति में तेजी से कमी का अनुभव हुआ। मैकइंटायर–कोबल ने कहा कि वह विमान से किसी संकट संकेत से अनभिज्ञ थे। विमान एक आपातकालीन स्थिति का पता लगाने वाला ट्रांसमीटर ले जाते हैं। समुद्री जल के संपर्क में आने पर, उपकरण एक उपग्रह को एक संकेत भेजता है, जो फिर उस संदेश को तटरक्षक बल को भेजता है ताकि यह संकेत मिल सके कि विमान संकट में है। तटरक्षक बल को ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है।

Joe, you're fired...एक झटके में ट्रंप ने रोक दी खुफिया ब्रीफिंग तक पहुंच, सिक्योरिटी क्लीयरेंस को किया रद्द

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर रहे हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा जो बाइडेन वर्गीकृत क्लासिफाइड इनफॉर्मेशन तक पहुंच जारी रखने की कोई जरूरत नहीं है। इसलिए, हम तत्काल प्रभाव से बाइडन की सुरक्षा मंजूरी को रद्द कर रहे हैं और उनकी दैनिक खुफिया ब्रीफिंग को रोक रहे हैं। आपको बता दें कि अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपतियों को पद छोड़ने के बाद खुफिया ब्रीफिंग दी जाती है। 2021 में बाइडेन ने शपथ ग्रहण के कुछ हफ्तों बाद ट्रंप के अनियमित व्यवहार का हवाला देते हुए खुफिया ब्रीफिंग तक पहुंच को रद्द कर दिया था। अब ट्रंप ने भी वही रास्ता अपनाया है। पूर्व राष्ट्रपतियों को पारंपरिक रूप से पद छोड़ने के बाद कुछ खुफिया ब्रीफिंग मिलती है। ट्रंप ने कहा कि वह उसी कार्रवाई का अनुसरण कर रहे हैं जो बिडेन ने उनके खिलाफ की थी। ट्रंप ने लिखा कि बाइडेन ने 2021 में यह मिसाल कायम की, जब उन्होंने इंटेलिजेंस कम्युनिटी को संयुक्त राज्य अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा पर विवरण तक पहुंचने से रोकने का निर्देश दिया, जो पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान किया गया एक शिष्टाचार था। पिछले महीने पद छोड़ने वाले बिडेन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

2021 में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, बाइडेन ने सीबीएस को बताया कि उन्हें विश्वास नहीं है कि ट्रम्प को उनके अनियमित व्यवहार के कारण इस तरह की ब्रीफिंग तक पहुंच मिलनी चाहिए, इस चिंता का हवाला देते हुए कि वह जानकारी साझा कर सकते हैं। ट्रंप ने अपने पोस्ट में पिछले साल बाइडन द्वारा क्लासिफाइड दस्तावेजों को संभालने के बारे में विशेष वकील की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हूर रिपोर्ट से पता चला है कि बाइडन की याददाश्त खराब है। ऐसे में संवेदनशील जानकारी के साथ उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं नेशनल सिक्योरिटी को हमेशा महफूज रखूंगा। जो आपको बर्खास्त किया गया है।

इमरान खान की पार्टी आठ फरवरी को लाहौर के बजाय स्वाबी में रैली करेगी

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने पिछले साल हुए आम चुनाव की पहली वर्षगांठ, यानी आठ फरवरी को पंजाब के लाहौर के बजाय खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी शहर में एक विशाल रैली करने की शुक्रवार को घोषणा की। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में वर्तमान में सत्ता में है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी ने भी कहा कि वह किसी भी तरह के टकराव या अशांति से दूर रहेगी। पार्टी ने पहले लाहौर में मीनार–ए–पाकिस्तान पर रैली आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कानून व्यवस्था बनाए रखने की चिंताओं का हवाला देते हुए उपायुक्त (डीसी) ने इसकी अनुमति देने से इनकार दिया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।